आषाढ़ शुक्ल - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 351 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 19-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी : सिंधू

6 बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय पर बढ़ते हमले चिंताजनक!

7 बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार थे राजेश खन्ना

फर्स्ट टेक

यूक्रेन की सेना रूस के हमले के बाद एक और पूर्वी गांव से पीछे हटी

कीव/एपी। यूक्रेन की सेना पूर्वी दोनोत्सक क्षेत्र के उरोझाइन गांव से पीछे हट गई है और उसने एक अन्य अग्रिम मोर्चे पर भी आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं दूसरी ओर रूस की सेना लगातार हमले कर यूक्रेन की सुरक्षा दीवार को ध्वस्त कर रही है। स्थानीय स्तर पर लड़ रही थल सेना के प्रवक्ता नजर वोलोशिन ने एसोसिएटेड प्रेस को एक लिखित संदेश में बताया कि गांव मलबे में तब्दील हो गया है, जिससे ''वहां मोर्चे पर डटे रहना असंभव हो गया है।''हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि सेना कब पीछे हटी।

पाकिस्तान में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लगाई गईं बंदिशें

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान की सरकार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को करीब छह महीने तक सफलतापूर्वक प्रतिबंधित रखने के बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे मंचों को भी निशाना बनाया और आम लोगों तक इनकी पहुंच रोक दी है। सरकार के इस कदम को सोशल मीडिया पर पूर्ण रोक की योजना के तौर पर देखा जा रहा है। पाकिस्तान में बुधवार से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे उपयोगकर्ताओं को विभिन्न इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के सोशल मीडिया मंच तक पहुंच बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ उपयोगकर्ताओं को मेटा के स्वामित्व वाले अन्य ऐप, जैसे व्हाट्सऐप के साथ भी समस्याएं आ रही हैं। पाकिस्तान की सरकार ने आम जनता तक फेसबुक और इंस्टाग्राम की पहुंच रोकने के संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

नेपाल, भारत, बांग्लादेश करेंगे त्रिपक्षीय बिजली व्यापार समझौता

काठमांडू/भाषा। नेपाल, भारत के रास्ते बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात करने के लिए अगले सप्ताह त्रिपक्षीय बिजली व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह इतिहास में पहली बार होगा कि हिमालयी देश भारत के अलावा किसी तीसरे देश को बिजली बेचेगा। सरकारी कंपनी नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (एनईए) के प्रवक्ता चंदन कुमार घोष ने कहा, ''बांग्लादेश को बिजली निर्यात करने के समझौते पर तीन देशों के हस्ताक्षर करने का रास्ता साफ हो गया है।'' घोष ने कहा कि बिजली बिक्री समझौते पर 28 जुलाई को एक समारोह में हस्ताक्षर किये जाएंगे। इस पर एनईए, बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) और भारत के एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लि. (एनवीवीएन) के अधिकारी हस्ताक्षर करेंगे।

19-07-2024 सूर्यास्त 6:49 बजे | 20-07-2024 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE 81,343.46 (+626.91) | NSE 24,800.85 (+187.85)

सोना 7,599 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 94,850 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ट्रंप पर हमला

हो गया ट्रंप पर भी हमला,
बोलो फिर कौन सुरक्षित है।
इतना अमला जमला सारा,
क्या चौकस और प्रशिक्षित है ।
हालात वही हर जगह यही,
अमरीका कैसे शिक्षित है।
है सारी दुनिया को चिंता,
हथियारों से सब दीक्षित है।।

लोगों को मानवता के लिए काम करना चाहिए : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुमला (झारखंड)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि आत्म-विकास करते समय एक मनुष्य अतिमानव (सुपरमैन) बनना चाहता है, इसके बाद वह देवता और फिर भगवान बनना चाहता है और विश्वरूप की भी आकांक्षा रखता है लेकिन वहां से आगे भी कुछ है क्या, यह कोई नहीं जानता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों में मनुष्य होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव होता है और उन्हें सबसे पहले अपने अंदर इन गुणों को विकसित करना चाहिए।

यहां गैर-लाभकारी संगठन विकास भारती श्रेरा आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि लोगों को मानव जाति के कल्याण के लिए अथक प्रयास करना चाहिए, क्योंकि विकास और मानव महत्वाकांक्षा का कोई अंत नहीं है। उन्होंने कहा, ''मानवीय गुणों को विकसित करने के बाद एक मनुष्य अलौकिक बनना चाहता है, 'सुपरमैन' बनना चाहता है, लेकिन वह वहां रुकता नहीं है। इसके बाद उसे लगता है कि देवता बनना चाहिए लेकिन देवता कहते है कि हमसे तो बड़ा भगवान है और फिर वह भगवान बनना चाहता है। भगवान कहता है कि वह तो विश्वरूप है तो वह विश्वरूप बनना चाहता है। वहां भी कुछ है क्या रुकने की जगह, ये कोई नहीं जानता है। लेकिन विकास का कोई अंत नहीं है। बाहर का विकास भी और अंदर का विकास भी, यह निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है।'' उन्होंने कहा कि मनुष्य को मानवता के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए। साथ ही कहा कि एक कार्यकर्ता को अपने काम से कभी संतुष्ट नहीं होना चाहिए।

भागवत ने कहा, ''काम जारी रहना चाहिए, पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए...इसका कोई अंत नहीं है और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य करना ही एकमात्र समाधान है...हमें इस विश्व को एक सुंदर स्थान बनाने का प्रयास करना चाहिए जैसी की भारत की प्रकृति है।'' उन्होंने कहा कि सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, ''सनातन संस्कृति और धर्म राजमहलों से नहीं, बल्कि आश्रेमों और जंगलों से आए हैं। बदलते समय के साथ हमारे कपड़े तो बदल सकते हैं लेकिन हमारा स्वभाव कभी नहीं बदलेगा।''

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतरे, दो यात्रियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा/दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन के आठ डिब्बे मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच पटरी से उतर गये। इस घटना में दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा 34 अन्य घायल हो गये।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गोंडा-गोरखपुर रेल खंड पर मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच दोपहर में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। प्रदेश के राहत आयुक्त जी.एस. नवीन कुमार ने बताया कि दुर्घटना में बिहार के अररिया के रहने वाले सरोज कुमार सिंह (31) और चंडीगढ़ के निवासी राहुल (38) नामक व्यक्तियों की मौत हो गयी है।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने इस घटना में पहले चार लोगों की मौत की पुष्टि की थी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस हादसे में चार लोगों की मौत की बात कही थी। इस भ्रम के बारे में पूछे जाने पर जिलाधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रथम दृष्टया जब टीमें मौके पर पहुंचीं तो लोग वहां बुरी हालत में पड़े थे। इससे भ्रम की स्थिति बन गई। घटना में केवल एक व्यक्ति की मौत हुई है और 34 घायल हुए हैं। एक अन्य व्यक्ति जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी उसे ऑक्सीजन और चिकित्सकीय सहायता देकर बचा लिया गया है।''

एक ग्राम भी मादक पदार्थ देश में नहीं आने देगा भारत : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत एक ग्राम भी मादक पदार्थ देश में नहीं आने देगा।

शाह ने मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों से आपूर्ति श्रृंखलाओं को ध्वस्त करने के लिए ''कठोर'' रुख अपनाने का आह्वान भी किया। वह राष्ट्रीय राजधानी में एनसीओआरडी या नार्को-समन्वय केंद्र की 7वीं शीर्षस्तरीय बैठक के दौरान केंद्रीय और राज्य मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने एमएएनएएस हेल्पलाइन नंबर '1933' के साथ-साथ एक ईमेल आईडी की भी शुरुआत की। इनका इस्तेमाल लोग मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) को जानकारी देने के लिए कर सकते हैं।

शाह ने कहा, नशे का पूरा कारोबार अब मादक पदार्थ-आतंकवाद से जुड़ गया है और इससे मिलने वाला पैसा देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। सभी एजेंसियों का लक्ष्य न केवल नशा करने वालों को पकड़ना होना चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार एक ग्राम भी मादक पदार्थ भारत में नहीं आने देगी, न ही हम भारत की सीमाओं का इस्तेमाल किसी भी तरह से मादक पदार्थ तस्करी के लिए होने देंगे।'' उन्होंने यहां विज्ञान भवन में बैठक के दौरान कहा, मादक पदार्थ आपूर्ति श्रृंखला के प्रति कठोर दृष्टिकोण, मांग में कमी के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण और नुकसान में कमी के लिए मानवीय दृष्टिकोण होना चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर के बहुमूल्य सामान को रत्न भंडार से अस्थाई भंडार कक्ष में स्थानांतरित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। पुरी स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के प्रतिष्ठित खजाने 'रत्न भंडार' (कोषागार) में रखी गयी मूल्यवान सामग्री और आभूषणों को एक अस्थायी भंडार कक्ष में स्थानांतरित करने का कार्य बृहस्पतिवार को सात घंटों के भीतर पूरा हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रत्न भंडार को इस सप्ताह दूसरी बार खोला गया ताकि बहुमूल्य चीजों को मंदिर परिसर के भीतर एक अस्थायी 'स्ट्रॉन्ग रुम' में रखा जा सके।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रमुख अरविंद पाढ़ी ने संवाददाताओं को बताया, रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष से सभी कीमती सामान को सफलतापूर्वक मंदिर परिसर के भीतर एक अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' में स्थानांतरित कर दिया गया है। लकड़ी और स्टील की अलमारियों और संदूकों सहित सात कंटेनरों को स्थानांतरित करने की पूरी प्रक्रिया में सात घंटे लगे।

पाढ़ी ने कहा कि प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार आंतरिक कक्ष और अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' दोनों को बंद कर सील कर दिया गया है।

पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष एवं उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा कि आंतरिक कक्ष के अंदर आभूषण और कीमती सामान सात कंटेनरों में रखे गए, जिनमें तीन लकड़ी की अलमारियां, दो लकड़ी की पेटियां, एक स्टील की अलमारी और एक लोहे की पेटी शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी कीमती सामान को नये कंटेनरों में सावधानी से रखा गया और बाद में मंदिर परिसर के अंदर अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' में स्थानांतरित कर दिया गया।

रथ ने कहा कि 'स्ट्रांग रूम' को सील कर चाबियां पुरी जिलाधिकारी को दे दी गई। चाबियां खजाने में रखी जाएंगी।

न्यायमूर्ति रथ ने खजाने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा, आंतरिक कक्ष के अंदर हमने जो कुछ देखा उसका विवरण गोपनीय है। जिस तरह कोई अपने घर में कीमती सामान का खुलासा नहीं करता, उसी तरह भगवान के खजाने को सार्वजनिक रूप से उजागर करना अनुचित होगा।

हार्दिक पांड्या और नताशा स्टेनकोविक अलग हुए

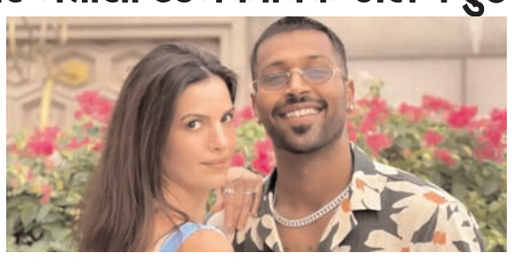

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने गुरुवार को चार साल के रिश्ते के बाद पत्नी नताशा स्टेनकोविक से अलग होने की घोषणा की।

दोनों ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संयुक्त बयान में इस फैसले का खुलासा किया।

दोनों ने 31 मई 2020 को शादी की थी और इसी साल 30 जुलाई को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ था। उन्होंने 14 फरवरी 2023 को उदयपुर में एक भव्य समारोह में करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में रीति रिवाज से दोबारा शादी की थी। इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा, ''चार साल साथ रहने के बाद नताशा और मैंने मिलकर अलग होने का फैसला किया है। हमने साथ मिलकर सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और सब अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अब हम लोगों को लगता है कि अलग होने में हम दोनों की भलाई है। '' उन्होंने लिखा, ''यह हमारे लिए एक मुश्किल फैसला था क्योंकि हमने साथ मिलकर परिवार के तौर पर आनंद लिया, एक दूसरे का सम्मान किया और साथ दिया। ''

धन शोधन मामला:

अदालत 22 जुलाई को सेंथिल बालाजी पर आरोप तय करेगी

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के चेन्नई में एक सत्र न्यायालय धन शोधन के एक मामले में 22 जुलाई को पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के खिलाफ आरोप तय करेगा। बालाजी को पिछले वर्ष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अली ने अभियोजन पक्ष को आरोप तय किये जाने वाले दिन द्रमुक नेता को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। अभियोजन पक्ष ने बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई शुरू होने पर बालाजी को केंद्रीय पुझल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया।

उच्चतम न्यायालय ने दिया निर्देश

अभ्यर्थियों की पहचान जाहिर न करते हुए नीट-यूजी के केंद्रवार नतीजे जारी करें एनटीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पीठ ने कहा कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा नए सिरे से आयोजित करने का कोई भी आदेश इस ठोस निष्कर्ष पर आधारित होना चाहिए कि पूरी प्रक्रिया की शुचिता प्रभावित हुई है।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को अभ्यर्थियों की पहचान गुप्त रखते हुए 20 जुलाई की दोपहर 12 बजे तक नीट-यूजी 2024 के केंद्र और शहर-वार परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया।

परीक्षा के संचालन में गड़बड़ी के आरोपों का समाधान करने का प्रयास करते हुए प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इसे नए सिरे से आयोजित करने का कोई भी आदेश इस ठोस निष्कर्ष पर आधारित होना चाहिए कि पूरी प्रक्रिया की शुचिता प्रभावित हुई है।

शीर्ष अदालत पांच मई को आयोजित प्रतिष्ठित परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोपों के मद्देनजर परीक्षा को रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और अदालत की निगरानी में जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर 22 जुलाई को फिर से सुनवाई शुरू करेगी।

दिन भर चली सुनवाई के दौरान पीठ ने अभ्यर्थियों के वकीलों से परीक्षा के आयोजन में व्यापक उन अनियमितताओं के बारे में अपना दावा साबित करने को कहा, जिसमें प्रश्नपत्र लीक होना भी शामिल है, जिसके कारण परीक्षा रद्द कर दोबारा कराने की आवश्यकता हो।

अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि प्रश्नपत्र लीक की घटना पटना और हजारीबाग तक ही सीमित थी तथा गुजरात के गोधरा में इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है।

पटना और हजारीबाग में प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक हो गए, जबकि गोधरा में दावा किया गया कि परीक्षा आयोजित कराने वाले एक व्यक्ति ने कुछ अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट भरने के लिए पैसे लिए।

सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर प्रश्नपत्र लीक होने के दावों पर सवाल उठाते हुए पीठ ने कहा, आपको यह बात ध्यान में रखनी होगी कि ऐसा करने का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर दिखावा करना नहीं था। लोगों ने यह पैसे के लिए किया। इसलिए, यह परीक्षा को बदनाम करने के लिए नहीं था और कोई व्यक्ति पैसे कमाने के लिए ऐसा कर रहा था जो स्पष्ट है। बड़े पैमाने पर लीक के लिए उस स्तर पर संपर्कों की भी आवश्यकता होती है ताकि आप विभिन्न शहरों में ऐसे सभी प्रमुख संपर्कों से जुड़ सकें।

पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा(नीट)-स्नातक से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि इसके सामाजिक प्रभाव हैं।

न्यायालय ने नीट-यूजी से जुड़ी याचिकाओं से पहले सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा, ''हम आज मामले पर सुनवाई करेंगे। लाखों युवा छात्र इसका इंतजार कर रहे हैं, हमें सुनवाई करने और निर्णय लेने दीजिए।''

पीठ ने याचिकाकर्ताओं से यह दिखाने के लिए कहा कि प्रश्न पत्र ''व्यवस्थागत'' तरीके से लीक किया गया और उससे पूरी परीक्षा पर असर पड़ा, इसलिए इसे रद्द करना जरूरी है।

सीजेआई ने कहा, ''पुन: परीक्षा कराने के लिए यह ठोस आधार होना चहिए कि पूरी परीक्षा की शुचिता पर असर पड़ा है।''

इस मामले की जारी जांच के मुद्दे पर पीठ ने कहा, ''सीबीआई जांच कर रही है। सीबीआई ने हमें जो बताया है अगर उसका खुलासा कर दिया जाता है तो इससे जांच पर असर पड़ेगा।''

हिंद महासागर की गहराई में दुर्लभ खनिजों और धातुओं की खोज करेगा जीआरएसई का जहाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। रक्षा क्षेत्र से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के गोवा स्थित एक सरकारी संस्थान से हुए करार के तहत निर्मित होने वाला एक जहाज हिंद महासागर की गहरायी में दुर्लभ खनिजों और धातुओं की तलाश करेगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

गोवा में राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के एक प्रवक्ता ने एक विज्ञप्ति में बताया कि 89.5 मीटर की लंबाई वाला यह पोत, समुद्र में गहरे अन्वेषण के लिए किसी भारतीय पोत कारखाने में बनाया जाने वाला सबसे बड़ा अनुसंधान जहाज होगा।

उन्होंने बताया कि इस जहाज को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के गहन समुद्री अभियान के वास्ते गहरे समुद्र में वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने और नमूने एकत्र करने के लिए तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह हर मौसम में काम कर पाएगा और इसमें एक बार में 34 वैज्ञानिकों को ले जाने की क्षमता होगी। इसके अगले 30 साल तक भारत के लिए काम करने की संभावना है।

जीतो लेडीज अपेक्स आयोजन में जीतो साउथ लेडीज विंग को मिली खूब सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज विंग अपेक्स द्वारा दो वर्षीय 22-24 कार्यकाल की समीक्षा का एवं अवार्ड सेरेमनी का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी के नेतृत्व में गोवा में हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी ने जीतो लेडीज विंग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। महामंत्री शीतल दुगड़, मेंटर चित्रा बलदोटा, ललिता गुलेच्छा, सुमन बच्छावत, उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, नीता बुचरा, सहमंत्री संगीता जैन, संगीता लोढ़ा ने शुभकामनाएं दी तथा अपने विचार व्यक्त किए। कोषाध्यक्ष जयश्री भंडारी ने मंच संचालन किया।

जीतो लेडिस विंग बेंगलूरु साउथ को आर्थिक सुदृढ़ता एवं शिक्षा के लिए व अहिंसा रन कार्य हेतु स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। केकेजी ज़ोन संयोजिका यश्मा जैन द्वारा प्रस्तुत पीपीटी में बेंगलूरु लेडीज विंग साउथ के सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट की प्रस्तुति दी जिसमें लेडीज साउथ विंग के कार्यक्रमों को उल्लेखित किया।

लेडीज साउथ द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के अंतर्गत उड़ान के दो वृहद् आयोजन, मिलेट सेमिनार, अल्पसंख्यक जागरुकता एवं वक्तृत्व कला प्रशिक्षण आयोजन का उल्लेख किया गया। साउथ विंग महामंत्री मोनिका पिरगल की प्रभावशाली कार्य प्रणाली हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जीतो अपेक्स के प्रेसिडेंट कांतिलाल ओसवाल, सचिस संजय जैन, संगीता ललवानी एवं उनकी टीम द्वारा बेंगलूरु साउथ लेडीज विंग के हर कार्य की सराहना करते हुए अध्यक्ष सुनीता गांधी, महामंत्री मोनिका पिरगल को सम्मानित किया। इस सफलता के लिए साउथ चैप्टर दिनेश बोहरा, महामंत्री दीपक जैन, लेडिस विंग संयोजक संजय भंडारी आदि ने महिला विंग को शुभकामनाएं दी।

साध्वीश्री धर्मप्रभा के चातुर्मासिक प्रवचन 20 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी का चातुर्मास मंगल प्रवेश हुआ। मंत्री सुरेशकुमार धोका ने बताया कि चातुर्मास में प्रतिदिन के प्रवचनों की एवं अनेकानेक धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आगामी 20 जुलाई से प्रारंभ होगी। प्रातः 6.15 से प्रार्थना, प्रातः 9.15 से प्रवचन तथा दोपहर में 2.30 से धार्मिक चर्चा का कार्यक्रम होगा।

चिंतामणि पाने के लिए हमें भी सुपात्र बनना जरुरी : मुनिश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर में वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के लुणावत जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उत्तर भारतीय संतश्री राजेशमुनिजी 'श्रमण'ने कहा कि चिंतामणि की चाहत तो सब करते है परन्तु सुपात्र बनने की कोशिश नहीं करते। चिंतामणि पाने के लिए सुपात्र बनना जरुरी है। साधक हेतु श्रावक श्राविका हमेशा माता पिता के समान होते हैं, वे हमेशा सहायक बनते हैं ताकि साधना सफल हो सके और मोक्ष की प्राप्ति हो सके। यह जानकारी संघ के मंत्री छगनमल लुनावत ने दी।

'दूसरी तिमाही में वृद्धि गतिविधियां तेज, खाद्य महंगाई चिंता का विषय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की शुरुआत अर्थव्यवस्था में तेजी के संकेतों के साथ हुई है। हालांकि, खाने के सामान की महंगाई चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को जारी जुलाई के बुलेटिन में यह बात कही है।

आरबीआई के बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक से प्रकाशित एक लेख में यह भी कहा गया है कि कृषि परिदृश्य तथा गांवों में खर्च में सुधार, मांग में तेजी लाने में प्रमुख कारण साबित हुए हैं।

इसमें कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगातार तीन महीनों तक नरम रहने के बाद जून, 2024 में बढ़ी है। इसका कारण सब्जियों की कीमतों में व्यापक स्तर पर तेजी है। उल्लेखनीय है कि सब्जियों और अन्य खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। इससे पिछले महीने मई में यह 4.8 प्रतिशत पर थी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया, ''यह तर्क दिया जाता रहा है कि खाने के सामान के मूल्य में तेजी अस्थायी है, लेकिन पिछले एक साल के अनुभव से यह साबित नहीं होता। यह मूल्य के स्तर पर झटके को लेकर कोई छोटी अवधि नहीं बल्कि लंबी अवधि है।''

लेख में कहा गया है, ''यह साफ है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों ने हेडलाइन (कुल) मुद्रास्फीति को गति दी और परिवारों की महंगाई की उम्मीदों पर इसका प्रतिकूल असर दिखा। इससे मौद्रिक नीति और आपूर्ति प्रबंधन के माध्यम से मुख्य (कोर) और ईंधन मुद्रास्फीति में जो कमी आई, उसका ज्यादा लाभ नहीं हुआ।'' महंगाई को लेकर अधिक अनिश्चितता को देखते हुए मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य पर लाने के रास्ते पर बने रहना समझदारी है। केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर विस्तृत लेख में कहा गया है कि नकदी के मोर्चे पर जून, 2024 की शुरुआत में अधिशेष की स्थिति थी। लेकिन सरकारी खर्च में सुस्ती के बीच अग्रिम कर और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित भुगतान के कारण महीने की दूसरी छमाही में नकदी की स्थिति घाटे में बदल गई। हालांकि, 28 जून से यह फिर से अधिशेष की स्थिति में आ गयी। इसमें कहा गया है कि सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अप्रैल-मई, 2024 के दौरान सालाना आधार पर बढ़कर 15.2 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 12.3 अरब डॉलर था।

शेयर बाजार ने लगातार चौथे दिन बनाया नया रिकॉर्ड, सेंसेक्स पहली बार 81,000 अंक के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला बृहस्पतिवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 627 अंक उछलकर पहली बार 81,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,800 अंक के नये शिखर पर पहुंच गया। आईटी, तेल एवं गैस तथा दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 626.91 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ नई ऊंचाई 81,343.46 अंक पर बंद हुआ। बाजार में शुरुआत कमजोर रही और एक समय यह 80,390.37 अंक के निचले स्तर तक आ गया था।

हालांकि, टीसीएस, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा जैसे आईटी शेयरों तथा सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से सूचकांक दोपहर के कारोबार में नुकसान से उबर गया। एक समय यह 806 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ नये रिकॉर्ड स्तर 81,522.55 अंक तक चला गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 187.85 अंक यानी 0.76 प्रतिशत चढ़कर 24,800.85 के नये शिखर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक

समय यह 224.75 अंक चढ़कर रिकॉर्ड 24,837.75 अंक तक चला गया था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आईटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली के साथ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मजबूती से दोपहर के कारोबार में बाजार में तेजी आई और यह नई ऊंचाई पर पहुंच गया। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के जून तिमाही में अच्छे वित्तीय प्रदर्शन और रुपये की विनिमय दर में गिरावट से क्षेत्र को लेकर निवेशक उत्साहित हैं।'' विश्लेषकों के अनुसार, सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के नरम होने से भी भारतीय बाजार में एफआईआई का प्रवाह बढ़ा है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे ज्यादा 3.33 प्रतिशत बढ़ा।

इन्फोसिस का शेयर वित्तीय परिणाम आने से पहले 1.93 प्रतिशत मजबूत हुआ। बाजार बंद होने के बाद इन्फोसिस ने वित्तीय नतीजे जारी किए। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ अप्रैल-जून तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 6,368 करोड़ रुपये रहा। इन्फोसिस ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि परिदृश्य को भी बढ़ाया है।

लाभ में रहने वाले अन्य शेयरों में बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल हैं।

इसके उलट एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी और अदाणी पोर्ट्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

हालांकि, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों से जुड़े सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई स्मॉलकैप 1.15 प्रतिशत नीचे आया जबकि मिडकैप 0.99 प्रतिशत टूटा।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे।

महाराष्ट्र सरकार को वाघ नख से जुड़े दावों की सच्चाई का पता लगाना चाहिए : वडेट्टीवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लंदन के एक संग्रहालय से लाए गए बाघ के पंजे जैसे हथियार 'वाघ नख' के मुद्दे पर न केवल विपक्षी दल बल्कि इतिहासकार भी सवाल उठा रहे हैं, ऐसे में महाराष्ट्र सरकार को सच्चाई का पता लगाना चाहिए।

महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि लंदन में विक्टोरिया एंड अल्बर्ट संग्रहालय से लाया गया वाघ नख वही है जिससे मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी ने 1659 में बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान की हत्या की थी। हालांकि कुछ इतिहासकारों का दावा है कि अफजल खान को मारने के लिए जो वाघ नख इस्तेमाल किया गया वह पहले से ही राज्य के सतारा जिले में मौजूद है। हालांकि राज्य के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार और अन्य ने इन आरोपों को खारिज किया है। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए वडेट्टीवार ने कहा, सरकार को इस मामले पर इतिहासकारों की बातों पर ध्यान देना चाहिए। विपक्ष ही नहीं इतिहासकार भी कुछ मुद्दे उठा रहे हैं। सरकार को सच्चाई पता लगानी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा हस्ताक्षरित समझौते के तहत लंदन से लाए गए 'वाघ नख' को 19 जुलाई से सतारा के छत्रपति शिवाजी संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा।

बीआरएस नेता कविता की चिकित्सा जांच एम्स में कराने का आदेश

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े मामले में तिहाड़ जेल में बंद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को चिकित्सा जांच के लिए बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर किया। एक अधिकारी ने बताया कि बीआरएस विधान पार्षद कविता को महिलाओं से जुड़ी समस्या और तेज बुखार होने पर मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल ले जाया गया था। करीब दो घंटे तक अस्पताल में रखने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया था। एक अधिकारी ने बताया था, '' अपराह्न चार बजकर करीब 30 मिनट पर कविता को स्त्री संबंधी समस्याओं और तेज बुखार के कारण डीडीयू अस्पताल ले जाया गया। उन्हें निगरानी पर रखा गया और कुछ जांच कराई गईं।''

रुद्रप्रयाग में निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढहा, कोई हताहत नहीं

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के समीप नरकोटा में बृहस्पतिवार को निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया। एक अधिकारी ने यहां इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिशासी अभियंता तनुज कांबोज ने बताया कि निर्माणाधीन पुल के फ्रेम का एक हिस्सा ढह गया है।

चारधाम सड़क परियोजना के तहत लगभग 67 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह पुल पिछले तीन सालों से बन रहा है। गनीमत रही कि पुल का फ्रेम जिस वक्त ढहा, उस समय वहां मजदूर नहीं थे जिससे घटना में जनहानि टल गयी।

दो साल पहले भी पुल की बुनियाद तैयार करते समय सरिया गिर गई थी।

कांबोज ने कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुल का निर्माण एक निजी कंपनी कर रही है । उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन पुल का यह फ्रेम लोहे के एंगलों को जोड़ कर बनाया जा रहा था कि तभी शुक्रवार शाम चार बजे के आसपास इस फ्रेम का एक हिस्सा नीचे गिरा गया।

रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि पुल के एक हिस्से के ढहने की सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आरसीसी कंपनी के परियोजना प्रबंधक रूपेश मिश्रा से जानकारी हासिल की ।

भूमि विवाद मामले में पूजा खेडकर की मां को 20 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे (महाराष्ट्र)/भाषा। पुणे जिले की अदालत ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) सेवा की प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को 20 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने मनोरमा को भूमि विवाद को लेकर बंदूक दिखाकर कुछ लोगों को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मनोरमा को रायगढ़ जिले के महाड स्थित एक लॉज से आज सुबह पकड़ा गया जहां वह छिपी हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, मनोरमा को रायगढ़ से पुणे के पौड पुलिस थाना लाया गया और औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि मनोरमा को स्थानीय अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें 20 जुलाई तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया गया। दरअसल, एक वीडियो सामने आया था जिसमें मनोरमा पुणे के मुलशी तहसील के धडवाली गांव में भूमि विवाद को लेकर कुछ लोगों को कथित तौर पर बंदूक दिखाकर धमकाती नजर आ रही थीं। इसके बाद से पुलिस मनोरमा और उनके पति दिलीप खेडकर की तलाश में जुटी थी। पुणे (ग्रामीण) में पौड पुलिस ने खेडकर दंपति और पांच अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-323 (बेईमानी या धोखाधड़ी से संपत्ति हटाना या छिपाना) सहित अन्य धाराओं और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

नक्सलवाद की समस्या का तीन साल में होगा समाधान : छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न उनके राज्य में नक्सलवाद के मुद्दे का समाधान अगले तीन साल में कर लिया जाएगा। यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि विष्णु देव साय नीत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार राज्य में सामान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नक्सलियों से संवाद करने की पक्षधर है ताकि उन्हें मुख्य धारा में लाया जा सके। शर्मा ने कहा, '' मुझे भरोसा है कि नक्सलवाद की समस्या का समाधान तीन साल में कर लिया जाएगा। तीन साल में आप सुकून से इंद्रावती नदी के किनारे बैठ सकेंगे। यह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मजबूत नेतृत्व में संभव है।''

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार रात को नक्सलियों द्वारा लगाए गए संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में हुए धमाके की चपेट में आने से विशेष कार्यबल के दो जवानों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद को बंदूक की ताकत से समाप्त नहीं किया जा सकता। हम विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहे हैं और विस्तृत रुख अपना रहे हैं। हम पहले ही नक्सलियों से बिना शर्त बातचीत कर रहे हैं। संवाद होना चाहिए। हम टेलीफोन या वीडियो कॉल से भी बात कर सकते हैं। यहां तक मैंने फीडबैक के लिए गूगल फार्म भी जारी किया है।

भाजपा सांसद गरीबों के मकान तुड़वा रहे हैं: आप

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भाजपा सांसद अपनी पार्टी की केंद्र सरकार के तहत आने वाले विभागों से गरीबों के मकान तुड़वाकर उन्हें बेघर बना रहे हैं।

'आप' के नेता और विधायक दुर्गेश पाठक ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सिविल लाइंस में मकान अवैध रूप से ढहाए गए और आजादी के बाद से वहां रह रहे लोगों को बेघरकर दिया गया। उन्होंने कहा, अब रेलवे ने 22 जुलाई को बरार स्क्वायर की झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस दिया है, लेकिन नई दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज वहां लोगों से मिलने नहीं गईं।

भाजपा ने आप के आरोपों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पाठक ने आरोप लगाया, कुछ दिन पहले ही डीडीए ने सिविल लाइंस इलाके में हजारों लोगों के मकानों को आक्रामक तरीके से ध्वस्त कर दिया था और डीडीए के अधिकारी अब भी उस इलाके में जाकर लोगों को धमकाते हुए कह रहे हैं कि और मकान भी तोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा, वहीं केंद्र सरकार के रेलवे विभाग ने 22 जुलाई से पहले बरार स्क्वायर में रेलवे ट्रैक के पास लोहा मंडी, बुध नगर, इंद्रपुरी में हजारों झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस लगा दिया है। रेलवे विभाग भी भाजपा की केंद्र सरकार के अधीन आता है। पाठक ने पूछा कि रेलवे उन मकानों को ढहाने के लिए किसके निर्देश पर नोटिस लगा रहा है। उन्होंने कहा, इसके पीछे कौन है? क्या यह बांसुरी स्वराज के निर्देश पर हो रहा है या अधिकारी मनमानी कर रहे हैं? इसकी जांच होनी चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पाठक ने कहा कि इन दोनों मामलों की जांच होनी चाहिए और इसके पीछे जो हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

फास्टैग नहीं होने पर एनएचएआई वसूलेगा दोगुना टोल शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजमार्गों पर लोगों को वाहन के विंडस्क्रीन पर जानबूझकर फास्टैग न लगाने से रोकने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कई कदम उठा रहा है। बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एनएचएआई ने ऐसे वाहनों से दोगुना टोल वसूलने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। ऐसे वाहन जिनमें अंदर से सामने की विंडशील्ड पर फास्टैग नहीं लगा होगा, और वे टोल लेन में प्रवेश करते हैं, तो उन्हें दोगुना टोल देना होगा।

एनएचएआई ने कहा कि विंडस्क्रीन पर जानबूझकर फास्टैग न लगाने से टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है, जिससे अन्य वाहनों को असुविधा होती है। एनएचएआई ने कहा, सभी उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह एजेंसियों और रियायतियों को विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है, ताकि सामने की विंडशील्ड पर फास्टैग न लगाए जाने की स्थिति में दोगुना उपयोगकर्ता शुल्क वसूला जा सके।

बयान के अनुसार, यह सूचना सभी टोल प्लाजा पर भी प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें लोगों को विंडशील्ड पर फास्टैग लगाए बिना टोल लेन में प्रवेश करने पर लगने वाले जुर्माने के बारे में जानकारी दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि टोल प्लाजा पर वाहन पंजीकरण संख्या (वीआरएन) के साथ सीसीटीवी फुटेज को गैर-फास्टैग मामलों में दर्ज किया जाएगा। इससे शुल्क वसूले जाने और टोल लेन में वाहन की मौजूदगी के बारे में उचित रिकॉर्ड बनाए रखने में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया है कि कोई भी फास्टैग जो मानक प्रक्रिया के अनुसार निर्दिष्ट वाहन पर नहीं लगाया गया है, वह शुल्क प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) लेनदेन करने का हकदार नहीं है और उसे दोगुना टोल शुल्क देना होगा और साथ ही उसे काली सूची में भी डाला जा सकता है।

एनएसएआई ने कहा कि जारीकर्ता बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे विभिन्न बिक्री केंद्रों (पीओएस) से फास्टैग जारी करते समय निर्दिष्ट वाहन के सामने के विंडशील्ड पर फास्टैग लगाना सुनिश्चित करें।

एमएसएमई के लिए मुद्रा योजना के तहत कर्ज सीमा दोगुनी करे सरकार : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। देश में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने के साथ कर प्रोत्साहन देने की जरूरत है। साथ ही लागत में कटौती और उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से कच्चे माल तक आसान पहुंच की सुविधा देने आवश्यकता है। यह बात विशेषज्ञों ने सुझाव में कही है। वित्त मंत्री लोकसभा में 23 जुलाई को 2024-25 का बजट पेश करेंगी। बजट को लेकर उम्मीदों पर, अरका फिनकैप के मुख्य कारोबार अधिकारी (खुदरा और एमएसएमई) नवीन सैनी ने कहा कि सरकार संभवत: एमएसएमई के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने, उनके विकास को बढ़ावा देने के अपने एजेंडा को जारी रखेगी। उन्होंने कहा, ''इसे हासिल करने के लिए, उन्हें पीएमएमवाई के तहत कर्ज सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने और एमएसएमई के लिए असुरक्षित माने जाने वाले ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने पर विचार करना चाहिए।''

आईटीआई लि. ने एसईएस 2024 में अपनी तकनीकी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईटीआई लिमिटेड रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स शिखर सम्मेलन 2024 (एसईएस 2024) के 13वें संस्करण में भाग ले रही है, जो स्वदेशी रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को बढ़ावा देने के लिए भारत का प्रमुख कार्यक्रम है। इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएलसीआईएनए) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 18 जुलाई तक बेंगलूरु के ललित अशोक होटल में होगा। आईटीआई लि. 100 से अधिक प्रदर्शकों के साथ अपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विनिर्माण विशेषज्ञता का प्रदर्शन करेगी। एसईएस थलसेना, वायुसेना, सुरक्षा एवं निगरानी, नौसेना और अंतरिक्ष क्षेत्रों के लिए उपकरण और प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए एक बड़ा मंच है। दो दिवसीय कार्यक्रम के भाग के रूप में, आईटीआई लि. संभावित ग्राहकों, साझेदारों और सहयोगियों से मुलाकात करेगी तथा स्थायी सहयोग स्थापित करने का प्रयास करेगी।

आईटीआई लि. रक्षा सुरक्षा एन्क्रिप्शन उत्पाद, ऑप्टिकल और डेटा नेटवर्क उत्पाद और पैसिव अवसंरचना उत्पाद जैसे गीगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क (जीपीओएन) और मैनेज लीज्ड लाइन उत्पाद (एमएलएलएन), मल्टी-कैपेसिटी एन्क्रिप्शन यूनिट, स्मार्ट एनर्जी मीटर, स्मार्ट कार्ड, सोलर पैनल, सेट-टॉप बॉक्स और मिनी पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (एलओटी) उत्पाद प्रदर्शित करेगी। उसके पास रक्षा और विमानन ग्राहकों की सेवा का समृद्ध अनुभव है।

इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'आईटीआई लिमिटेड आधुनिक तकनीक पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक/दूरसंचार विनिर्माण और डिजिटल समाधान एवं सेवाओं की एक पूरी शृंखला लेकर आती है, जिसमें पीसीबी विनिर्माण से लेकर 3डी प्रिंटिंग और डिजिटल मोबाइल रेडियो से लेकर डेटा सेंटर तक शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि हम एसईएस 2024 और प्रदर्शकों की शानदार सूची का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं। यह हमारे उत्पादों के विस्तृत पोर्टफोलियो को प्रदर्शित करने के लिए बेहतरीन मंच है।

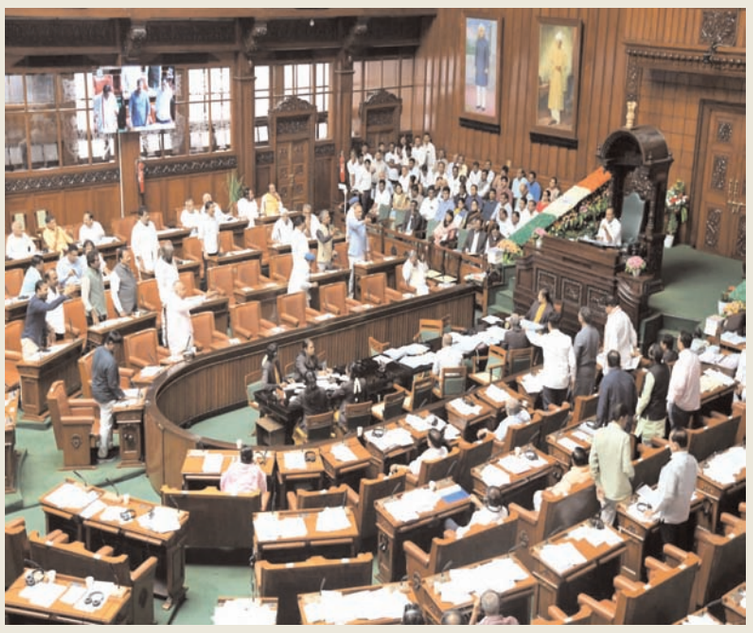

निजी क्षेत्र में आरक्षण विधेयक को लेकर मंत्रिमंडल की अगली बैठक में चर्चा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार ने निजी क्षेत्र में कन्नड भाषियों को आरक्षण देने संबंधी विधेयक को लेकर उत्पन्न 'कुछ भ्रम की स्थिति' के मद्देनजर फिलहाल इसे टालने का फैसला किया है। सिद्दरामय्या ने कहा कि आशंकाओं को दूर करने के लिए मंत्रिमंडल की अगली बैठक में विधेयक पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा, ''सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक में (विषय पर)पूरी चर्चा नहीं हो सकी। तभी मीडिया में इस संबंध में खबरें आने लगी।''

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर.अशोक ने विधेयक पर सरकार से रुख स्पष्ट करने की मांग की। इसपर सिद्दरामय्या ने कहा, 'इसे लेकर कुछ भ्रम है। हम मंत्रिमंडल की अगली बैठक में उन भ्रम को दूर करेंगे। हमें विस्तृत चर्चा करने दें।' अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर तीन बार अपना संदेश बदला। नेता प्रतिपक्ष ने याद दिलाया कि सिद्दरामय्या ने अपनी पहली पोस्ट में बताया कि मंत्रिमंडल ने निजी क्षेत्र में कन्नड़ भाषियों के लिए शत प्रतिशत आरक्षण का फैसला लिया है और बाद में उसे हटा दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने फिर एक और संदेश जारी किया जिसमें कहा कि निजी क्षेत्र में प्रबंधन श्रेणी की नौकरियों में 50 प्रतिशत और गैर प्रबंधन श्रेणी की नौकरियों में 75 प्रतिशत कन्नड भाषियों के लिए आरक्षित होंगी। अशोक ने कहा, अंतत: आपने (सिद्दरामय्या) ने घोषणा की कि विधेयक को ठंडे बस्ते में डालने का फैसला किया गया। ऐसा लगता है कि कर्नाटक में तुगलकी सरकार है।

इसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, '(यहां) कोई तुगलक सरकार नहीं है बल्कि सिद्दरामय्या सरकार है। हम इस मुद्दे पर मंत्रिमंडल की अगली बैठक में चर्चा करेंगे।' राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को कर्नाटक राज्य उद्योग, कारखाने और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों को रोजगार देने संबंधी विधेयक, 2024 को मंजूरी दी थी। इसमें निजी कंपनियों के लिए अपने प्रतिष्ठानों में कन्नड़ भाषी लोगों को आरक्षण देना अनिवार्य करने का प्रावधान है। प्रस्तावित विधेयक के मुताबिक, किसी भी उद्योग, कारखाना या अन्य प्रतिष्ठानों में प्रबंधन स्तर पर 50 प्रतिशत और गैर प्रबंधन श्रेणी में 70 प्रतिशत आरक्षण स्थानीय लोगों को देना अनिवार्य होगा। इसमें कहा गया है कि यदि उम्मीदवार के पास कन्नड़ भाषा के साथ माध्यमिक विद्यालय का प्रमाणपत्र नहीं है, तो उन्हें 'नोडल एजेंसी' द्वारा आयोजित कन्नड़ प्रवीणता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। प्रस्तावित विधेयक के मुताबिक नोडल एजेंसी को रिपोर्ट के सत्यापन के उद्देश्य से किसी नियोक्ता, अधिभोगी या प्रतिष्ठान के प्रबंधक के पास मौजूद किसी भी रिकॉर्ड, सूचना या दस्तावेज को मांगने का अधिकार होगा।

इसमें कहा गया है कि सरकार अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन कराने के लिए सहायक श्रम आयुक्त से उससे ऊपर के स्तर के अधिकारी को प्राधिकृत अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकती है। सरकार के इस फैसले पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के संयुक्त मंच नैसकॉम ने आगाह करते हुए कहा था कि कपंनियां कर्नाटक से बाहर जा सकती हैं। मंत्रियों ने इसके बाद बयान जारी कर कंपनियों को आश्वासन दिया कि उनके हितों की रक्षा की जाएगी।

मेरे राजनीतिक कैरियर में एक भी 'काला धब्बा' नहीं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर बृहस्पतिवार को विधानसभा में हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश करते हुए कहा कि उनके चार दशकों के राजनीतिक करियर में एक भी ''काला धब्बा'' नहीं है।

मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्यों ने मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पर संदेह व्यक्त किया और आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि इसका उद्देश्य राज्य में सरकार को अस्थिर करना है। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़ा कथित अवैध धन हस्तांतरण घोटाला 26 मई को लेखा अधीक्षक चंद्रशेखर पी. के आत्महत्या करने व एक नोट छोड़ने के बाद सामने आया था। सुसाइड नोट में निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ रुपये के अनधिकृत हस्तांतरण का खुलासा हुआ था। साथ ही इसमें कहा गया था कि इसमें से 88.62 करोड़ रुपये अवैध रूप से नामी' आईटी कंपनियों, हैदराबाद में स्थित सहकारी बैंक व अन्य से कथित तौर पर जुड़े विभिन्न खातों में डाले गए थे।

अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी. नागेन्द्र ने घोटाले के संबंध में अपने खिलाफ आरोप लगने के बाद छह जून को इस्तीफा दे दिया था। वह फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं जो मामले की जांच कर रहा है। सिद्दरामय्या ने इस मुद्दे पर उन्हें और उनकी सरकार को निशाना बनाए जाने पर विपक्षी दल पर पलटवार करते हुए कहा, यह दलित नहीं है, यह संविधान के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति है, आप (भाजपा) दलितों के बारे में कितना भी बोलें, कोई भी आपको दलित या एससी/एसटी समर्थक नहीं कह सकता। सत्ता में रहने के दौरान आपके कार्यक्रमों से यह स्पष्ट हुआ कि भाजपा के लोग सामाजिक न्याय के विरोधी हैं। भाजपा विधायकों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। पार्टी के वरिष्ठ विधायक सी. एन. अश्वत्थ नारायण ने कहा, हम बताते हैं कि कैसे कांग्रेस सरकार और सिद्दरामय्या सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''क्या मुझे कुछ चीजें (अनियमितताएं या भ्रष्टाचार) सामने लानी चाहिए?...मैं कुछ चीजें सामने लाऊंगा। मैं सामने लाऊंगा कि किसके समय में क्या हुआ।'' अश्वत्थ नारायण ने पलटवार करते हुए कहा, सामने लाओ... किसने कहा नहीं, तुम्हें सत्ता दी गई है क्योंकि तुमने दावा किया था कि तुम चीजों को ठीक कर दोगे और तुम भ्रष्टाचार के खिलाफ हो। उन्होंने सिद्दरामय्या से कहा, आपका 100 प्रतिशत (भ्रष्टाचार) है....आपको शर्म आनी चाहिए। आपकी अनैतिक सरकार है, आपको शर्म आनी चाहिए।

इस पर कांग्रेस सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और सदन में काफी हंगामा हुआ। सिद्दरामय्या ने भी भाजपा पर निशाना साधा और अश्वत्थ नारायण को 'भ्रष्टाचार का पितामह' बताते हुए कहा, ...आपको शर्म आनी चाहिए। भाजपा के कई विधायक पार्टी और इसके नेता का बचाव करने के लिए खड़े हो गए। अश्वत्थ नारायण ने सवाल किया, क्या आप हमें यह कहकर धमकी दे रहे हैं कि आप चीजें बाहर लाएंगे? मुख्यमंत्री ने कहा, ''क्या आप मुझ पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं? मुझे मंत्री बने (पहली बार) 40 साल हो गए, चालीस साल में मुझ पर कोई काला धब्बा नहीं लगा...आप झूठ बोल रहे हैं।''

कर्नाटक में निजी कंपनियों में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण संबंधी विधेयक टला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। निजी कंपनियों में स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों में आरक्षण संबंधी विधेयक पर उद्योग निकायों और व्यापारिक दिग्गजों के कड़े विरोध का सामना कर रही कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में इस विवादास्पद विधेयक को पेश करने की योजना टाल दी है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, निजी क्षेत्र की कंपनियों, उद्योगों और उद्यमों में कन्नड़ लोगों को आरक्षण देने के उद्देश्य से तैयार किया गया मसौदा विधेयक अब भी तैयारी के चरण में है। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय लेने के लिए अगली कैबिनेट बैठक में इस पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा में विधेयक पेश करने का निर्णय लिया था। उन्होंने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य में संचालित सभी निजी कंपनियों में 'सी' और 'डी' श्रेणी की नौकरियों में कन्नड़ लोगों के लिए 100 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। सरकार का उद्देश्य कन्नड़ लोगों को नौकरी के अवसरों से वंचित होने से रोकना और उन्हें अपनी मातृभूमि में शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए नौकरियां देना है। हमारी सरकार कन्नड़ लोगों के पक्ष में है।

बारिश के चलते विजयपुर में स्थित अलमाटी बांध में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए बांध से पानी छोड़ा गया।

भूस्खलन से गोवा कर्नाटक मार्ग में यातायात बाधित

आईएमडी ने जारी किया 'ऑरेंज' अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी/पणजी। गोवा में लगातार बारिश के बाद बृहस्पतिवार तड़के घाट क्षेत्र में भूस्खलन हुआ जिससे यहां से पड़ोसी राज्य कर्नाटक तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने गोवा के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है और 24 घंटों में भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। पिछले एक दिन में उत्तर गोवा और दक्षिण गोवा दोनों जिलों में भारी बारिश हुई। आईएमडी के अनुसार दक्षिण गोवा के पोंडा तालुका में सबसे अधिक 190 मिमी बारिश हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन गोवा की दक्षिणी सीमा पर स्थित अनमोद घाट पर दूधसागर मंदिर के पास हुआ।

घाट खंड से कर्नाटक के बेलगाम और खानपुर जैसे इलाकों तक यातायात बाधित रहा। उन्होंने बताया, घाट क्षेत्र में श्री दूधसागर मंदिर के पास सड़क पर मिट्टी का ढेर इकट्ठा हो गया। अग्निशमन और आपात सेवाओं के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मार्ग साफ करने की कोशिश कि लेकिन मलबा सुबह तक नहीं हटाया जा सका।'' अधिकारी ने बताया कि अनमोद घाट से दोपहर तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

यह घाट गोवा और कर्नाटक के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिससे कर्नाटक के बेलगाम और खानपुर तथा महाराष्ट्र के कोल्हापुर जाया जाता है। सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद अनेक वाहन खड़े दिखाई दिए। पुलिस मोलेम जांच चौकी पर वाहनों को रोककर यात्रियों को भूस्खलन के बारे में आगाह कर रही है। गोवा में भारी बारिश जारी रही। आईएमडी के बुलेटिन में कहा गया है कि उत्तर गोवा और दक्षिण गोवा जिलों में तेज हवाएं चलने के साथ ही छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश और कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने चपोरा से पणजी (मालीम) तक उत्तर गोवा तट के लिए ऊंची लहरें आने की चेतावनी जारी की है। बृहस्पतिवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए 24 घंटे की अवधि में दक्षिण गोवा में 121.4 मिमी बारिश हुई, जबकि उत्तर गोवा में 96.3 मिमी बारिश दर्ज की गई।

कर्नाटक भाजपा ने सरकार को नौकरी आरक्षण विधेयक पेश करने की दी चुनौती

बेंगलूर/दक्षिण भारत। कर्नाटक में भाजपा ने गुरुवार को सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी कि अगर वह मौजूदा विधानसभा सत्र में स्थानीय लोगों के लिए नौकरी आरक्षण पर विधेयक पेश करने में विफल रही तो उसे कन्नड़ लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। भाजपा के प्रदेश प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने पोस्ट किया, कन्नड़ लोगों के लिए नौकरियों को आरक्षित करने वाले विधेयक को मौजूदा सत्र में ही पेश किया जाना चाहिए, नहीं तो कन्नड़ लोगों के गुस्से का सामना करने के लिए तैयार रहें। इस विधेयक ने ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों बेरोजगारों के लिए आशा की किरण जगाई है। विजयेंद्र ने आगे चेतावनी देते हुए कहा, अगर कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ने कन्नड़ लोगों के लिए इस विधेयक को रोक दिया तो राज्य के लोग कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेंगे। सरकार घोटालों की जांच को भटकाने और जनता को विचलित करने की साजिश कर सकती है।

उन्होंने कहा, कन्नड़ लोगों को नौकरी देने वाला विधेयक क्यों पेश किया गया? इसे क्यों रोका गया? आप कन्नड़ लोगों के जीवन से क्यों खेलना चाहते हैं? क्या आपने कन्नड़ लोगों का अपमान किया? कर्नाटक के सभी लोगों की ओर से मैं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कायरतापूर्ण निर्णय की निंदा करता हूं, जिसने कन्नड़ और कर्नाटक का अपमान किया है। उसने कन्नड़ लोगों को नौकरी देने वाले विधेयक को अचानक रोक दिया है।

विजयेंद्र ने कहा, कन्नड़ सीखने वाले और यहां रहने वाले सभी लोगों को कन्नड़ मानते हुए सरकार ने नौकरी के अधिकारों की रक्षा के लिए ये कदम उठाया था। उन्होंने एक दिन के भीतर अचानक इसे वापस क्यों ले लिया? उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के तीन 'यू-टर्न' के बाद विधेयक पेश न करने का कायरतापूर्ण निर्णय, कर्नाटक विरोधी ताकतों से प्रभावित प्रतीत होता है, जिन्होंने राज्य के स्वाभिमान, कन्नड़ लोगों के गौरव और कन्नड़ पहचान को कमजोर किया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा, जो मंत्री और कांग्रेस नेता कुछ समय पहले ही मीडिया में इस विधेयक के बारे में गर्व से बात कर रहे थे, उन्होंने अब ऐतिहासिक विधेयक को वापस लेने के बाद कन्नड़ लोगों के सामने बोलने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

भाजपा ने घोटालों को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा नेताओं का प्रदर्शन तेज हो गया है। पार्टी ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का इस्तीफा मांगा है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बताया, सिद्दरामय्या सरकार का सच पूरी तरह सामने आ चुका है। वे सभी पैसों की लूट कर रहे हैं। प्रदेश में हुए एमयूडीए घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपनी चाहिए और मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। कर्नाटक भाजपा ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार पर भाजपा ने भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए हैं।

राज्य में सबसे ज्यादा गंभीर मुद्दा महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जाति विकास निगम के पैसों की अनियमितताओं का बना हुआ है। भाजपा ने आरोप लगाया कि यह घोटाला मुख्यमंत्री के जानकारी में हुआ है, इसलिए उनको तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

भाजपा इस मुद्दे को सदन के बाहर और अंदर मजबूती से उठा रही है। इसी सिलसिले में प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा ने फ्रीडम पार्क के सामने प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन शुरू होने के बाद भाजपा नेता राज्य की विधानसभा का घेराव करने के लिए आगे बढ़े, लेकिन कर्नाटक पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दूसरी तरफ, कर्नाटक कांग्रेस के चार मंत्रियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग कर राज्य के विकास को धीमा करने करने की साजिश का आरोप लगाया है।

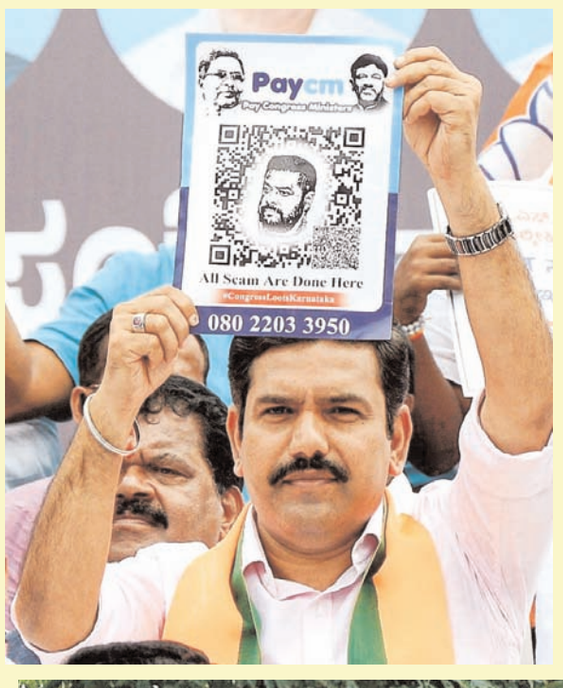

विधान सौधा के घेराव का प्रयास करते भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग के साथ बृहस्पतिवार को यहां विधान सौधा का घेराव करने का प्रयास करते भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा समेत पार्टी के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। हाथों में तख्तियां, बैनर और पोस्टर लिए भाजपा विधायकों और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाए और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि घोटाला सामने आने के बाद कांग्रेस का दलित विरोधी और आदिवासी विरोधी चेहरा उजागर हो गया है।

पाकिस्तान से पलायन करके आए लोगों को शीघ्र नागरिकता देने के लिए विशेष शिविर लगेंगे : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पाकिस्तान से पलायन करके आने वालों को शीघ्र नागरिकता देने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृह मंत्री की ओर से जवाब देते हुए यह आश्वासन दिया।

उन्होंने विधानसभा में आश्वस्त किया कि जिला स्तर पर हर महीने विशेष नागरिकता शिविर लगाकर पाकिस्तान से पलायन करके आए लोगों को भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। इस संबंध में जिलाधिकारियों को निर्देश दे दिये गए हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पाकिस्तान से पलायन करने वालों को जल्द से जल्द नागरिकता देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यक लोगों को देश की नागरिकता देने के लिए नियम एवं प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इसके अलावा नागरिकता प्रमाणपत्र देने के लिए जिलाधिकारी को अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्ष 2016 से वर्ष 2024 तक 2,329 को नागरिकता प्रदान की गई है।

राज्य में इस समय कुल 1,566 आवेदन लंबित हैं। इनमें से 300 में खुफिया ब्यूरो की रिपोर्ट आनी शेष है। उन्होंने कहा कि जिलों मे विशेष नागरिकता शिविर आयोजित करके पात्र आवेदकों को नागरिकता प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएंगे।

इससे पहले विधायक रवींद्र सिंह भाटी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि जिला बाड़मेर, जैसलमेर एवं बालोतरा में विगत पांच वर्षों में पाकिस्तान से पलायन करके आए लोगों को नागरिकता प्रदान करने संबंधी कुल 373 आवेदन मिले हैं, जिनमें से 84 आवेदन निस्तारित किये गये हैं जबकि 289 आवेदन लंबित हैं।

ऐतिहासिक बजट के लिए केकड़ी के निवासियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल का जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनप्रतिनिधियों की क्षेत्र से संबंधित विकास की मांगों पर तत्परता से कार्य कर रही है। पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, विधायक सहित समस्त जनप्रतिनिधि क्षेत्र की नब्ज जानते हैं, इसलिए हमने बजट में उनके फीडबैक और सुझावों के आधार पर प्रदेश की आठ करोड़ जनता के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। हमने बजट में सभी क्षेत्रों की मांग को पूरा किया है। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर केकड़ी जिले के निवासियों के आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वर्ष 2024-25 का परिवर्तित बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस ऐतिहासिक बजट में गांव, ढाणी, शहर एवं छोटे-बड़े जिलों में विकास का ऐसा रोडमेप तैयार किया गया है, जिससे 'आपणो अग्रणी राजस्थान' का संकल्प साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए सबसे पहले सोचकर योजनाओं-कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। आमजन भी अपने आस-पास वंचितों की पहचान कर उन्हें लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र एवं बजट की प्रत्येक घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए कृत संकल्पित है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक सरोकारों को सदैव वरीयता दी है। उन्होंने ही 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत कर स्वच्छता का संदेश देने और 'बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ' अभियान चलाकर लड़के-लड़कियों का लिंगानुपात सुधारने का महत्ती काम किया है।

उन्होंने कहा कि मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दूरगामी कदम उठाते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत की है। शर्मा ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर इस अभियान को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केकड़ी विधायक शत्रुघन गौतम ने क्षेत्र के विकास कार्यों के संकल्प के क्रम में चरण पादुका त्याग रखी है। वे जल्दी ही चरण पादुका पहनेंगे क्योंकि इस बजट में केकड़ी जिले को कई ऐतिहासिक सौगातें मिली हैं, जिससे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसान, युवा, महिला एवं वंचितों के कल्याण के लिए बजट में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। बजट में केकड़ी जिले की हर मांग पूरी हुई है, जिसके लिए उनका कोटि-कोटि धन्यवाद।

कार्यक्रम में केकड़ी जिले के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केकड़ी के निवासियों के साथ संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केकड़ी जिले के सर्वांगीण विकास के लिए परिवर्तित बजट 2024-25, लेखानुदान एवं बजट रिप्लाई में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं एवं प्रावधान किए गए हैं। इसके अन्तर्गत 650 करोड़ रुपए की लागत से नसीराबाद-सरवाड़-केकड़ी-देवली सड़क को 4 लेन का बनाया जाएगा, जिससे अजमेर, केकड़ी और टोंक के लाखों लोगों को सुगम आवागमन मिलेगा। उन्होंने बताया कि 24 करोड़ 81 लाख रुपये की लागत से थड़ोली से केकड़ी के मध्य भांसू गांव के समीप पेयजल पाइप लाइन का कार्य एवं 20 करोड़ रुपये की लागत से बिजयनगर-नगर-बडली-माताजी का खेड़ा व देवलियाकलां सड़क (बिजयनगर, भिनाय)- केकड़ी का कार्य करवाया जायेगा। इसके अतिरिक्त केकड़ी में संचालित आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी औषद्यालय तथा चिकित्सालयों को चरणबद्ध रूप से जिला आयुष चिकित्सालयों में क्रमोन्नत करने सहित क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं।

गोमांस खाने वाले संसद में भगवान महादेव का चित्र लेकर आते हैं : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि 'गोमांस खाने वाले संसद में भगवान महादेव का चित्र लेकर आते हैं।' जोशी ने बुधवार को दौसा में पार्टी की एक बैठक में यह टिप्पणी की। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जोशी ने किसी का नाम लिए बिना कहा, भारत चीन के बीच सीमा पर तनाव है और राहुल गांधी चीन के राजदूत के साथ हाथ से हाथ मिलाकर बैठे रहे... जो गोमांस खाता है और संसद में भगवान महादेव का चित्र लेकर आता है.. इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, कोई हिंदू को आतंकी, हिंसक कह देगा और हम चुप बैठे रहेंगे? कोई राम मंदिर का विरोध करेगा और हम चुप बैठे रहेंगे? कोई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रंग को लेकर उपहास करेगा और हम चुप बैठे रहेंगे? तो ऐसे लोग अपने सपनों में ही कामयाब होते रहेंगे।

एक जुलाई को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपनी बात रख रहे राहुल गांधी ने भगवान शिव, गुरु नानक और ईसा मसीह की तस्वीरें दिखाईं और विभिन्न धर्मों का जिक्र करते हुए निर्भीकता के महत्व को रेखांकित किया था। उन्होंने भगवान शिव के गुणों और गुरु नानक, ईसा मसीह, बुद्ध और महावीर की शिक्षाओं का हवाला देते हुए कहा था कि देश के सभी धर्मों और धर्मगुरुओं ने कहा है डरो मत, डराओ मत।' लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने भाजपा पर तीखा हमला किया था और सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया था।

बिजली संकट के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने सदन में हंगामा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में बिजली संकट के मुद्दे पर कांग्रेस के विधायकों ने बृहस्पतिवार को सदन में हंगामा और नारेबाजी की। वहीं सरकार ने कहा कि उसके कार्यकाल में बिजली उत्पादन संयंत्रों को अधिक क्षमता से परिचालन किया गया है। शून्यकाल में बूंदी से कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने पर्ची के माध्यम से ये मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पूरे राजस्थान की इतनी खराब हालत है, फिर भी सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही।

उन्होंने कहा, सरकार के दृष्टिकोण और सोच के अभाव तथा व्यवस्था के अभाव के कारण पूरा राजस्थान परेशान है। लोग आंदोलन-प्रदर्शन कर रहे हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले लोगों के खिलाफ सरकार झूठे मुकदमे दर्ज कर रही है।' इस पर जवाब देते हुए ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार ने कुशल प्रबंधन से विद्युत उत्पादन संयंत्रों को अधिक क्षमता से संचालित किया है।

उन्होंने कहा कि यदि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अन्य प्रदेशों व एजेंसियों के साथ बैंकिंग करार नहीं किया जाता तो राज्य की जनता को बिजली कटौती की समस्या से नहीं जूझना पड़ता। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कुछ कहना चाहा और कांग्रेस के दूसरे विधायक भी बोलने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मंत्री का उत्तर सुनना पड़ेगा। इसको लेकर काफी देर हंगामा व नारेबाजी चलती रही। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर भी विपक्ष व सत्ता पक्ष ने एक दूसरे पर कटाक्ष किए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने यह प्रकरण छेड़ते हुए कहा,कृषि से जुड़ा हुआ मामला है।

मैं तो यह पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार कृषि मंत्री जी ने जो इस्तीफा दिया है उसको स्वीकार करने करने का विचार रखती है। इसको लेकर दोनों ओर के कुछ विधायक बोलने लगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वे मीणा अभी छुट्टी पर हैं, इसी सदन ने उनकी छुट्टी स्वीकार की है। इसलिए उनपर कोई प्रश्न नहीं आ सकता। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का सभी लोग सम्मान करते हैं, वे हर बात पर बोलेंगे तो सम्मान नहीं रह जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने राज्य में लोकसभा चुनाव में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हाल ही में मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

कुष्ठ रोगियों की पहचान और इलाज के साथ उनके पुनर्वास के लिए हो प्रभावी कार्य : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि कुष्ठ रोगियों की पहचान और इलाज के साथ उनके पुनर्वास के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। मिश्र गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कुष्ठ रोग उन्मूलन अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साझा प्रयास के तहत सरकार और आमजन की भागीदारी हो तो कुष्ठ रोग से मुक्ति के पथ पर राष्ट्र तेजी से अग्रसर हो सकता है। उन्होंने कुष्ठ रोगियों के कौशल विकास के अधिकाधिक कार्यक्रम चलाए जाने और उन्हे आत्मनिर्भर बनाए जाने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग का इलाज जितना महत्वपूर्ण है उतना ही महत्व इस रोग से जुड़े लोगों की सेवा करना भी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा के साथ कुष्ठरोग पीढ़ियों का पुनरोद्धार भी सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि मंदिर में जाकर पूजा और यज्ञ करने से जो पुण्य प्राप्त होता है वहीं पुण्य दीन-दुखियों की सेवा करने और उनको सम्मान से जीवन जीने के अवसर प्रदान करने से मिलता है। उन्होंने सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा कुष्ठ रोग उन्मूलन, उनके स्वावलंबन और वृद्धाश्रम संचालन गतिविधियों की सराहना की।

मिश्र ने चिंता जताई कि विश्व की कुल कुष्ठ जनसंख्या का लगभग आधा भाग दुर्भाग्य से हमारे देश में है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पूरे विश्व में 120 से अधिक देशों में यह रोग फैला हुआ है। हर साल दो लाख से अधिक नए कुष्ठ रोग के मामले सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए कुष्ठ रोग के इलाज के लिएं व्यावहारिक प्रयास किए जाएं। इसमें जन भागीदारी को बढ़ाया जाए। राज्यपाल ने सार्थक मानव कुष्ठाश्रम के अंतर्गत की जा रही सेवा से प्रेरणा लेकर जर्मन महिला थिया कोसे मुकली द्वारा 'लेबेन ओहने लेप्रा' की स्थापना और उनकी पुत्री एस्ट्रिड मुकली के कार्यों को अनुकरणीय बताया।

इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने कुष्ठ रोग उन्मूलन के लिए वातावरण निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कुष्ठ रोग निवारण के लिए महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश तथा देशभर में हो रहे प्रयासों में अपनी भागीदारी के अनुभव भी साझा किए। इस मौके अपाल की अध्यक्ष माया रनावरे, सार्थक मानव कुष्ठाश्रम के संरक्षक के. एल. जैन और महावीर विकलांग संस्थान के संरक्षक डा. डी आर. मेहता ने भी कुष्ठ रोग निदान के लिए कार्य करने पर अपर विचार व्यक्त किए।

शुरु में सार्थक मानव कुष्ठाश्रम के अध्यक्ष सुरेश कौल ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी।

प्रदेश के समग्र विकास के लिए सभी मिलकर करें काम : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज के प्रहरी और लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में समाज को जागरूक करने का काम करते हैं। पत्रकार संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए निष्पक्षता और पूरी सच्चाई के साथ प्रत्येक घटना को जनता के सामने लाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निर्भीकता के साथ काम कर रही इस कौम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है।

शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर परिवर्तित बजट 2024-25 में पत्रकारों के लिए हुई घोषणाओं के आभार समारोह में कहा कि प्रशासन, राजनीति और पुलिस की तरह पत्रकार भी प्रदेश के समग्र कल्याण तथा विकसित राजस्थान के संकल्प सिद्धि को पूरा करने में जुटे हुए हैं। आगे भी इसी तरह पत्रकार सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक रहें। साथ ही, समाज के प्रत्येक पहलू को सशक्त बनाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। शर्मा ने स्व. बिशन सिंह शेखावत का स्मरण करते हुए कहा कि ग्रामीण पत्रकारिता का पर्याय बने शेखावत ने पत्रकारिता के बेहतर मापदण्ड स्थापित किए हैं। उनके 'आओ गांव चलें' कॉलम का सभी पाठकों को बेसब्री से इंतजार रहता था। उन्होंने गांव की परम्पराओं, सामाजिक संस्कृति के ताने-बाने तथा ग्रामीणों के हर अनछूए पहलूओं को बड़ी बारीकी से इस कॉलम में दर्शाया था। कलम के समर्पित सिपाही स्व. शेखावत ने कर्मचारियों की आवाज सरकार तक पहुंचाने का काम भी बखूबी निभाया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में नागरिक कर्तव्यों का जिक्र करते हुए कहा कि कर्तव्य निभाने में जो अनुभूति होती है, वह अधिकार में नहीं होती।

इसलिए हमें सहज भाव से काम के प्रति सजग रहना चाहिए जिससे देश एवं प्रदेश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को भी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को समझकर इसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त बनाए रखने के प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम में पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहली बार हुआ है जब राज्य सरकार ने अपने पहले ही बजट में पत्रकार कल्याण को प्राथमिकता दी है। पत्रकारों ने अपनी मांगों की सुनवाई पर मुख्यमंत्री का दिल से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने शर्मा को साफा, शॉल तथा स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के साथ संवाद भी किया। इस दौरान राज्यभर से आए वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन, पुलिस ने लाठीचार्ज कर लिया हिरासत में

जयपुर/दक्षिण भारत। गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रों और पुलिस में छड़प हो गई। यहां आरयू में एनएसयूआई और एबीवीपी के छात्र कई दिनों से छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। शुक्रवार को अचानक छात्र उग्र हो गए। उग्र छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे कई छात्र घायल हो गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हिरासत में लेकर बस में बिठा लिया।

बता दें कि प्रदेशभर के छात्र छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। जयपुर में गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय में एनएसयूआई और एबीवीपी के छात्र झण्डे और बैनर लेकर नारेबाजी करने लगे। छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए यहां पहले से ही पुलिस तैनात थी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने प्रशासनिक भवन जाने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस ने उनको रोकना चाहा तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस रोकने का प्रयास कर रही थी तो वहीं छात्र नारेबाजी करते हुए धक्का मुक्की करने लगे। स्थिति बेकाबू होने पर पुलिस ने लाठाचार्ज करना शुरू कर दिया। इस लाठीचार्ज में कई छात्र घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को जबरन पुलिस की बस में बिठाया और हिरासत में ले लिया।

घटना के बाद छात्रों ने कहा कि ये लोकतंत्र पर हमला है। छात्रसंघ चुनाव की मांग पिछले कई साल से चल रही है।

विश्वविद्यालय प्रशासन कई साल से छात्रसंघ चुनाव कराने में विफल रहा है। छात्रों ने मांग की है कि जल्द ही चुनाव की तारीख की घोषणा की जाए। वहीं प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए और लाठीचार्ज में घायल हुए छात्रों का उचित इलाज कराया जाए।

दिलावर ने विधानसभा में खेद प्रकट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आदिवासियों को लेकर की गई अपनी टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को विधानसभा में खेद प्रकट किया। दिलावर ने सदन की बैठक शुरू होने पर कहा, ये (आदिवासी) हिंदू समाज का श्रेष्ठ अंग है। मेरे शब्दों से विपक्ष को या किसी आदिवासी बंधु को, जो मेरी जाति के हैं, कोई कष्ट हुआ हो तो मैं खेद प्रकट करता हूं। उल्लेखनीय है कि दिलावर की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सहित 'इंडिया' गठबंधन के विधायक दिलावर का सदन में विरोध कर रहे थे। विपक्ष दिलावर के माफी मांगने और पद से हटाने की मांग कर रहा था। बृहस्पतिवार को जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि शिक्षामंत्री अपनी बात रखना चाहते हैं। दिलावर ने विपक्ष के कुछ विधायकों की टोकाटाकी के बीच अपनी बात रखी और खेद प्रकट किया। दिलावर और बांसवाड़ा के नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत के बीच 22 जून को जुबानी जंग छिड़ गई थी। मंत्री ने कथित तौर पर आदिवासी नेता के हिंदू होने या न होने की पुष्टि के लिए डीएनए टेस्ट कराने का सुझाव दिया था। हाल ही में रोत ने कहा था कि वह आदिवासी समुदाय से हैं और हिंदू धर्म सहित संगठित धर्मों से अलग आस्था पद्धति को मानते हैं।

इस पर दिलावर ने कहा था, बीएपी के नेता खुद को हिंदू नहीं मानते हैं तो उनके डीएनए की जांच करा लेंगे।'

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर ट्राली में सवार मां-पुत्री की मौत

भरतपुर। राजस्थान में धौलपुर के मनियां थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर बरेठा चौकी के बोथपुरा कट पर एक ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली पीछे से टक्कर मार दी जिससे मां-बेटी की मौत हो गयी तथा 18 से अधिक लोग घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवर्धन की परिक्रमा लगाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस अपने गांव लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्रॉली को कल देर रात करीब दो बजे तेज रफ्तार एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में घायल ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार 20 श्रद्धालुओं को मनियां और धौलपुर के अस्पताल लाते समय रास्ते में गया देवी पत्नी गिरवर और पुत्री भूरी देवी की मौत हो गयी। शेष 18 घायलों को उनके परिजन रात को ही इलाज के लिये ग्वालियर और मुरैना के अस्पताल ले गये।

वैज्ञानिकों ने अरुणाचल प्रदेश में एक पौधे की नई प्रजाति खोजी

ईटानगर/भाषा। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) के शोधकर्ताओं ने अरुणाचल प्रदेश के एक वन्यजीव अभयारण्य में एक पौधे की नई प्रजाति की खोज की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पापुम पारे जिले में ईटानगर वन्यजीव अभयारण्य से हाल ही में पौधे की प्रजाति 'फ्लोगाकैंथस सुधांशुशेखरी' की खोज की गई है जो 'अकांथेसी' परिवार से है और यह 'फ्लोगाकैंथस' वर्ग में आती है। बीएसआई के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रजाति का नाम बीएसआई के वैज्ञानिक डॉ. सुधांशु शेखर दास के सम्मान में रखा गया है, जिन्होंने भारतीय हिमालयी क्षेत्र में पौधों और पारिस्थितिकी अनुसंधान में 'महत्वपूर्ण योगदान' दिया है। 'इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री' में इस नई प्रजाति पर विस्तृत शोधपत्र प्रकाशित किया गया है जिसे सम्राट गोस्वामी और रोहन मैती ने लिखा है। उन्होंने बताया कि भारत में 'फ्लोगाकैंथस' वर्ग की 13 प्रजातियां हैं और यह मुख्य रूप से पूर्वोत्तर और पूर्वी हिमालयी राज्यों में हैं। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस नई खोज पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,'' अरुणाचल प्रदेश की जैव विविधता व्यापक और विविध है। नई वनस्पतियों की खोज के अलावा बीएसआई के शोधकर्ताओं ने ईटानगर वन्यजीव अभयारण्य में फ्लोगाकैंथस सुधांशुशेखरी नामक एक नई प्रजाति की पहचान की है।''

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अक्सर हिंसा भड़काने वाले बयानों का इस्तेमाल किया गया : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अक्सर हिंसा भड़काने वाले बयानों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि भाषणों में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने के लिए 'हत्या' और 'हिंसा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शब्दों का चयन बेहद महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, ''विपक्ष जिस प्रकार के शब्दों का चयन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कर रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। हिंसा और हत्या जैसे शब्दों के प्रयोग से समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होता है।'' वैष्णव ने कहा कि आज एक पूर्व आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी ने जैसा लिखा है, उसका एक मनोवैज्ञानिक असर होता है जो हिंसात्मक व्यवहार को बढावा देता है। उन्होंने कहा, ''विपक्ष को इस प्रकार के शब्दों का चयन न करते हुए अपनी गरिमा को बनाए रखना चाहिए। उन्हें अपने शब्दों और व्यवहार में संजीदापन लाते हुए संयम बरतना चाहिए।''

नीट-स्नातक प्रश्नपत्र लीक मामला : सीबीआई ने पटना स्थित एम्स के चार विद्यार्थियों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले के संबंध में बृहस्पतिवार को पटना स्थित एम्स में पढ़ने वाले एमबीबीएस के चार विद्यार्थियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के तीन छात्रों चंदन सिंह, राहुल अनंत व कुमार शानू और दूसरे वर्ष के एक छात्र करन जैन को पूछताछ के बाद सीबीआई टीम ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि एम्स के वरिष्ठ संकाय सदस्यों की मौजूदगी में छात्रों को छात्रावास के उनके कमरों से ले जाया गया। उन्हें बताया गया था कि जांच के लिए छात्रों की जरूरत है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने छात्रावास के उनके कमरों को भी सील कर दिया है। एम्स पटना के निदेशक जीके पॉल ने बताया, ''सीबीआई एम्स पटना के चार छात्रों को अपने साथ ले गई है। चंदन सिंह, राहुल अनंत और कुमार शानू तीसरे वर्ष के छात्र हैं और करण जैन दूसरे वर्ष का छात्र है।'' उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें छात्रों की तस्वीरें और मोबाइल नंबर भेजे हैं। पॉल ने बताया कि सीबीआई की एक टीम डीन, छात्रावास वार्डन और निदेशक के ओएसडी (विशेष कार्याधिकारी) की मौजूदगी में छात्रों को ले गई है।

भारत फीफा रैंकिंग में 124वें स्थान पर, अर्जेंटीना ने शीर्ष स्थान मजबूत किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम गुरुवार को जारी फीफा पुरुष रैंकिंग में 124वें स्थान पर बरकरार है जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन और कोपा अमेरिका विजेता अर्जेंटीना ने अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया। जून में जारी फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम सूची में तीन पायदान खिसक गई थी। ऐसा उसके कतर और अफगानिस्तान से 2026 विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने में विफल होने के कारण हुआ था। पिछले साल दिसंबर से भारत का रैंकिंग में खिसकना जारी है। भारतीय टीम पिछले साल शीर्ष 100 में पहुंची थी जिसमें उसकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 99 रही थी। लेकिन इसके बाद से उसका खिसकना जारी है। एशिया में भारत 22वें स्थान पर बरकरार है जिसमें वह लेबनान, फलस्तीन और वियतनाम से पीछे है। अर्जेंटीना ने सफलतापूर्वक कोपा अमेरिका खिताब बरकरार रखने के बाद रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पकड़ मजबूत कर ली है। फ्रांस (दूसरी रैंकिंग) यूरो 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद दूसरे स्थान पर है। हाल में यूरोपीय चैम्पियन बनी स्पेन पांच पायदान के फायदे से तीसरी रैंकिंग पर पहुंची। वहीं उससे हारने वाली इंग्लैंड एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गयी और उसने ब्राजील को पछाड़ दिया जो एक पायदान खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंची। बेल्जियम रैंकिंग में छठे, नीदरलैंड सातवें, पुर्तगाल आठवें और कोलंबिया नौवें स्थान पर काबिज हैं।

बाल विवाह के खिलाफ हर 6 माह में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए अभियान जारी रखेगी और इस सामाजिक बुराई के खिलाफ हर छह महीने में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस महानिदेशक को वर्ष के अंत में बाल विवाह पर अगले दौर की कार्रवाई के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। शर्मा ने यह टिप्पणी बुधवार को एक गैर सरकारी संगठन की ओर से जारी एक रिपोर्ट के बाद की है जिसमें कहा गया है कि बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार की कार्रवाई से ऐसे मामलों में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने बुधवार शाम एक वीडियो संदेश में कहा, '' बाल विवाह के खिलाफ हमारा अभियान और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रत्येक छह महीने में एक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा और डीजीपी को इस साल नवंबर-दिसंबर में

बाल विवाह पर अगली कार्रवाई के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि शुरुआत में कुछ लोग ''बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई से खुश नहीं थे लेकिन अब लोग इस सामाजिक बुराई को रोक रहे हैं यहां तक कि अल्पसंख्यक क्षेत्रों में भी।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों और राज्य के 20 जिलों के 1,132 गांवों में किए गए सर्वेक्षण में पता चला है कि इनमें से 30 प्रतिशत क्षेत्रों में बाल विवाह का ''पूर्ण उन्मूलन'' हो गया है, जबकि 40 प्रतिशत क्षेत्रों में इस प्रथा में ''काफी कमी'' आई है।

'न्याय की ओर: बाल विवाह की समाप्ति' नामक रिपोर्ट बुधवार को विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस पर नई दिल्ली में जारी की गई। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो इस अवसर पर मौजूद थे। उन्होंने कहा,''बच्चों के खिलाफ इस अपराध को समाप्त करने के लिए अभियोजन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है और बाल विवाह समाप्त करने के असम मॉडल ने देश को आगे का रास्ता दिखाया है।''

असम में 40 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के हिमंत के दावे पर विपक्षी दलों ने उठाए सवाल

गुवाहाटी/भाषा। असम में विपक्ष ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर आरोप लगाया कि वह राज्य में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत तक बढ़ने जैसे दावे करके लोगों का ध्यान ''महत्वपूर्ण समस्याओं'' से भटका रहे हैं। शर्मा ने बुधवार को रांची में दावा किया था कि असम में मुस्लिम आबादी बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है और पूर्वोत्तर राज्य में जनसांख्यिकी परिवर्तन एक ''बड़ा मुद्दा'' है। झारखंड में भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने पार्टी की एक बैठक से इतर कहा, ''मैं असम से हूं और जनसांख्यिकी परिवर्तन मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। मेरे राज्य में मुस्लिम आबादी अब 40 प्रतिशत है, जो 1951 में 12 प्रतिशत थी। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि जीने-मरने की बात है।'' टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार वोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी ''विफलताओं को छिपाने'' के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। विपक्ष ने इस आंकड़े का स्रोत भी जानना चाहा और कहा कि असम में कोई जनगणना नहीं हुई है।

कांवड़ मार्ग पर भोजनालयों को मालिकों के नाम प्रदर्शित करने का आदेश भारतीय तहजीब पर हमला : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर पुलिस का वह आदेश भारतीय तहजीब पर हमला और 'मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का सामान्यीकरण करने' का प्रयास है, जिसके तहत कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों से उनके मालिकों का नाम प्रदर्शित करने को कहा गया है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि भारत की तहजीब को बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर अंकुश लगाना होगा।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों को अपने मालिकों का नाम प्रदर्शित करने का आदेश दिया है, ताकि भ्रम की स्थिति से बचा जा सके। विपक्षी दल

इस आदेश को समुदाय विशेष के व्यापारियों को निशाना बनाने के प्रयास के तौर पर देख रहे हैं।

खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर कहा, ''उत्तर प्रदेश में नया फरमान आया है कि कांवड़ यात्रा के रास्ते के दुकानदारों को अपना नाम बोर्ड पर लिखना होगा। इसके पीछे की मंशा यह पता करना है कि हिंदू कौन है, मुसलमान कौन है। हो सकता है कि जाति के बारे में पता करना हो। यह पता करने की मंशा भी हो कि दलित कौन है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम के पीछे का मकसद मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार करने का सामान्यीकरण करना है।

कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया, ''इस मंशा को हम कामयाब नहीं होने देंगे। यह किसी के लिए भी किया जाए, हम इसे कामयाब नहीं होने देंगे। चाहे वो हिंदू के आर्थिक बहिष्कार की बात हो या मुस्लिम के आर्थिक बहिष्कार करने की बात हो।'' उन्होंने कहा कि कई मांस निर्यातक कंपनियों के मालिक हिंदू हैं।

खेड़ा ने कहा, ''कोई हिंदू मांस का निर्यात करता है तो वह रहता तो मांस ही है ना, दावल चावल तो नहीं बन जाता। इसी तरह अल्ताफ या रशीद आम-अमरूद बेच रहे हैं तो आम अमरूद मांस नहीं बन जाएंगे, वे आम अमरूद ही रहेंगे।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''ये लोग (भाजपा) भारतीय तहजीब पर हमला कर रहे हैं, घरों में घुसने की कोशिश कर रहे हैं...अगर इन्हें घरों में घुसने से रोकना है तो इस विचारधारा को रोकिए। हम ऐसा करके ही भारतीय तहजीब को बचा पाएंगे।''

पश्चिम बंगाल के मालदा में बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शन हिंसक हुआ, कई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मानिकचक/भाषा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में बिजली कटौती के विरोध में स्थानीय लोगों द्वारा बृहस्पतिवार को किया गया प्रदर्शन हिंसक हो गया और पुलिस से हुई झड़प में कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि इलाके में लगातार बिजली कटौती के विरोध में स्थानीय लोगों ने सुबह मानिकचक के इनायतपुर में राजमार्ग जाम कर दिया। उन्होंने कहा कि जब पुलिस लोगों को सड़क से हटाने के लिए वहां गई तो लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि भीड़ ने पुलिस वाहनों में भी तोड़फोड़ की और हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा, ''स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए त्वरित कार्रवाई बल को बुलाया गया। बल ने तुरंत कार्रवाई की और भीड़ को तितर-बितर कर दिया।''

आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गए। इस आरोप पर पुलिस अधीक्षक यादव ने कहा, ''मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता। मैं मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जा रहा हूं। घायलों से मिलने के बाद मैं आपको विस्तृत जानकारी दूंगा।'' अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी में गिरावट

अब न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए करने की जरूरत : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में धीमी वेतन वृद्धि और कमरतोड़ महंगाई के कारण श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी में गिरावट आई है तथा ऐसे में अब न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन किए जाने की जरूरत है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कुछ सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि आज श्रमिकों की क्रय शक्ति (ख़रीदारी करने की क्षमता) 10 साल पहले की तुलना में कम है। रमेश ने एक बयान में कहा, ''मोदी सरकार द्वारा

जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों सहित डेटा के कई स्रोतों में एक तथ्य समान रूप से सामने आ रहा है कि आज श्रमिकों की क्रय शक्ति 10 साल पहले की तुलना में कम है। धीमी वेतन वृद्धि और कमरतोड़ महंगाई के कारण वास्तविक मजदूरी में अभूतपूर्व गिरावट आई है।'' श्रम ब्यूरो के वेतन दर सूचकांक के मुताबिक, 2014 और 2023 के बीच श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी स्थिर हो गई है और 2019 से 24 के बीच तो कम भी हो गई है। रमेश ने दावा किया कि 'कृषि मंत्रालय की कृषि सांख्यिकी एक नज़र में' (सरकारी डेटा) के अनुसार, डॉक्टर मनमोहन सिंह के कार्यकाल में खेतिहर मज़दूरों की वास्तविक मज़दूरी हर साल 6.8% की दर से बढ़ी, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में वास्तविक मजदूरी में हर साल 1.3% की गिरावट आई है। उन्होंने कहा, ''आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण श्रृंखला (सरकारी डेटा) के मुताबिक, समय के साथ औसत वास्तविक कमाई 2017 और 2022 के बीच सभी तरह के रोज़गारों में स्थिर हो गई। रमेश ने 'सेंटर फ़ॉर लेबर रिसर्च एंड एक्शन' के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि 2014 और 2022 के बीच ईंट भट्ठों के श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी स्थिर हो गई है या घट गई है।

झारखंड में मुहर्रम के जुलूस में फलस्तीनी झंडा लहराने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दुमका/भाषा। झारखंड के दुमका जिले में मुहर्रम के जुलूस के दौरान फलस्तीनी झंडा लहराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस सिलसिले में एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है। इस घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में कुछ युवकों को दुमका जिले में दुधानी चौक पर मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक वाहन पर फलस्तीनी झंडे कथित तौर पर लहराते और नारे लगाते देखा गया। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

दुमका नगर थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा ने कहा, ''हमने मुहर्रम जुलूस के दौरान फलस्तीनी झंडा लहराने के आरोप में देवघर सब्जी मंडी के एक निवासी को दुधानी स्थित उसके रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया है। हमने एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ जारी है ।'' इससे पहले दुमका के उपमंडल पुलिस अधिकारी विजय कुमार महतो ने कहा था कि जांच जारी है और यदि वीडियो क्लिप सही पाई गई तो कार्रवाई की जायेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर ऐसा ही एक वीडियो साझा किया था। उन्होंने ''तालिबानी मानसिकता'' वाले ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल में फलस्तीनी झंडा लहराए जाने का वीडियो साझा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक जुलूस में फलस्तीनी झंडा लहराए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और मामले में पुलिस कार्रवाई की मांग की। हालांकि, पुलिस ने कहा कि 'उसे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है और वह इस संबंध में जानकारी जुटा रही है।'

शुभेंदु ने बुधवार रात 'एक्स' पर बेरहामपुर में एक धार्मिक जुलूस के दौरान फलस्तीनी झंडा लहराए जाने का वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा, ''किसी ने इस उम्मीद के साथ मुझे यह वीडियो भेजा है कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मैं इस मामले में कुछ करूंगा। आज रात मुर्शिदाबाद जिले के बेरहामपुर में एक धार्मिक जुलूस में फलस्तीनी झंडा लहराया गया। लोकसभा सदस्यता की शपथ लेने के दौरान एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के 'जय फलस्तीन' का नारा लगाने से अपराधियों के हौंसले बुलंद होते दिख रहे हैं।'' पीटीआई शुभेंदु की ओर से साझा किए गए वीडियो को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं कर सका है।

शुभेंदु ने कहा, ''मैं मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक और पश्चिम बंगाल पुलिस से अनुरोध करता हूं कि वे इस मामले को तत्काल देखें और यदि घटना की पुष्टि करने वाले सबूत उपलब्ध हैं, तो भारत की धरती पर विदेशी झंडा लहराने वाले ऐसे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।''

संपर्क करने पर मुर्शिदाबाद के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें 'कोई शिकायत नहीं मिली है' और 'इस संबंध में उनके पास कोई जानकारी भी नहीं है।'

पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी : सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने कहा कि वह पेरिस में तीसरा व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी जिसके लिए वह अतीत के अनुभव से फायदा उठाना चाहेंगी।

सिंधू की निगाहें आगामी ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर लगी हैं जिससे वह इतिहास रच सकती हैं क्योंकि उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 'जियो सिनेमा' के 'द ड्रीमर्स' पर बातचीत के दौरान सिंधू ने पेरिस में

इतिहास रचने पर ध्यान लगाने के बारे में बात की। हालांकि इस भारतीय स्टार के लिए यह काफी मुश्किल होगा।

सिंधू ने कहा, ''पेरिस में तीसरा पदक जीतने के बारे में सोचने की बात निश्चित रूप से मुझे प्रेरित करती है और मैं स्वर्ण पदक जीतने के लिए अथक प्रयास करूंगी। मेरे लिए ओलंपिक ऐसे खेल हैं जिसमें मैं अपना 200 प्रतिशत देती हूं। '' उन्होंने कहा, ''यह यात्रा 2016 में और 2020 में शानदार रही है जिसमें काफी अथक प्रयास रहे और ऐसे पल रहे जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता।'' सिंधू ने कहा, ''पेरिस 2024 के लिए तैयारी नई शुरूआत है और कुछ भी हो, मुझे अपना शत प्रतिशत देना होगा। ''

विश्व रैंकिंग की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल सिंधू ने कहा, ''ओलंपिक में पिछले प्रदर्शन का काफी अनुभव मेरे पास है जिससे मैं पेरिस 2024 में मदद लूंगी लेकिन मैं पदकों के बारे में सोच सोचकर अतिआत्मविश्वासी नहीं होना चाहती। ''

उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि मैं देश की उम्मीदों को पूरा कर सकती हूं और तीसरा पदक जीत सकती हूं क्योंकि लगातार तीन पदक जीतना हंसी मजाक का खेल नहीं है। मेरी सोच स्वर्ण पदक जीतने पर लगी है जिससे मेरा मनोबल बढ़ा हुआ है। '' सिंधू ने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले ओलंपिक की तैयारियों के बारे में लंबी बातचीत की।

फतेहपुर सीकरी में मुहर्रम के जुलूस में फलस्तीन समर्थक नारे लागए, सात गिरफ्तार

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश में आगरा के मिश्रित आबादी वाले कस्बे फतेहपुर सीकरी में मुहर्रम के जुलूस के दौरान फलस्तीन के समर्थन में नारेबाजी करने पर पुलिस ने बुधवार देररात सात युवकों को गिरफ्तार किया। देर रात नारेबाजी का वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित किये जाने के बाद हडक़ंप मच गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में बृहस्पतिवार को डीसीपी ग्रामीण पश्चिम सोनम कुमार के अनुसार, मुहर्रम के जुलूस के दौरान बुधवार शाम फतेहपुर सीकरी में माहौल बिगाडने की कोशिश की गई। देर शाम कस्बे के मुख्य बाजार से मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था। पुलिस ने कहा कि बुलंद दरवाजा के पास स्थित बस्ती के युवक ताजिये लेकर तेहरा गेट के करबला की ओर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक मुख्य बाजार पहुंचते ही कुछ युवक एक स्थान पर रुककर फलस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। नारेबाजी का वीडियो देर रात सोशल मीडिया पर वायरल 1.15 मिनट के इस वीडियो में युवक एक घर के सामने खड़े होकर जोर-जोर से नारे लगाते दिख रहे हैं। इसके बाद देर रात मुकदमा दर्ज करके सात युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सुविचार

जहाँ दूसरों को समझना मुश्किल हो जाए, वहाँ खुद को समझना ज्यादा बेहतर होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चर्चा करें, राय लें

कर्नाटक सरकार द्वारा कन्नड़ भाषियों को निजी क्षेत्र में आरक्षण देने संबंधी जो विधेयक लाया गया, अगर उस पर पहले विस्तार से चर्चा की होती, उद्योग जगत से राय ली जाती, विभिन्न पहलुओं से जुड़े कुछ बिंदुओं पर सहमति बनाने की कोशिश होती, तो उसे यूं 'ठंडे बस्ते' में नहीं डालना पड़ता। कर्नाटक सरकार पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वह कन्नड़ भाषियों के कल्याण के लिए विभिन्न कदम उठाए। कर्नाटक के लोग चाहते हैं कि उनके लिए शिक्षा की उत्तम व्यवस्था हो, रोजगार के पर्याप्त मौके हों, उनके हितों की दृढ़ता से रक्षा हो। हर कन्नड़ भाषी को कर्नाटक में इतनी सुविधाएं जरूर सुलभ हों, जिससे वह सम्मानजनक ढंग से जीवन-यापन कर सके। कर्नाटक सरकार ऐसी कई योजनाएं चला रही है, जिनसे लोगों को लाभ मिल रहा है। कन्नड़ भाषा एवं संस्कृति के गौरव का जरूर ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ ही सरकार को यह जानना भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वह लोगों के कल्याण के लिए जो कदम उठा रही है, उनको लेकर कितनी तैयारी है, वे कदम कितने दृढ़ हैं, क्या सर्वसमाज उनके लिए तैयार है और सबसे ज्यादा जरूरी यह कि नतीजे क्या होंगे? कर्नाटक सरकार द्वारा निजी क्षेत्र में आरक्षण दिए जाने के फैसले के पीछे मंशा सही हो सकती है, लेकिन उसे धरातल पर उतारना टेढ़ी खीर है। जब कोई व्यक्ति किसी राज्य में उद्योग लगाता है तो उसकी भी कोशिश होती है कि वह संबंधित कार्य में कुशल स्थानीय लोगों को नियुक्त करे, क्योंकि उन्हें सामाजिक व सांस्कृतिक स्तर पर तालमेल बैठाने में कोई समस्या नहीं होती। वे कई जिम्मेदारियों में उन लोगों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, जो अन्य राज्यों से आए हैं।

स्थानीय होना अपनेआप में एक खूबी है, जिसका लाभ संबंधित प्रतिष्ठान और व्यक्ति, दोनों को मिलता है। वहीं, योग्यता को भी नहीं नकारा जा सकता। कर्नाटक में बेंगलूरु शहर, जो आईटी हब है, जहां बड़ी तादाद में स्टार्टअप हैं, जिसकी तकनीकी महारत से देश-विदेश के बड़े-बड़े धुरंधर अचंभित हैं, वहां आरक्षण के नियमों को कैसे लागू करेंगे, जबकि अन्य राज्यों से आए प्रतिभाशाली लोग पहले से ही बहुत महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं? बेशक उनका जन्म कर्नाटक में नहीं हुआ, शायद उनका कन्नड़ भाषाज्ञान भी उत्कृष्ट न हो, लेकिन वे इस राज्य से प्रेम करते हैं, खुद को कन्नड़ भाषा एवं संस्कृति के गौरव से जोड़कर देखते हैं। इस राज्य ने उनकी काबिलियत की कद्र की, उन्होंने भी इसे समृद्ध बनाने के लिए भरपूर मेहनत की। उनमें से कई तो ऐसे हैं, जिन्होंने अन्यत्र नौकरी छोड़कर बेंगलूरु को अपनी कर्मभूमि बनाया। उनकी मेहनत का लाभ किसी-न-किसी रूप में कर्नाटक के लोगों को मिल रहा है। जब राज्य में उद्योग फल-फूल रहे हों तो सरकार को चाहिए कि वह स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा जरूर करे, उसके साथ ही ऐसी नीतियां बनाए, जिससे राज्य में और ज्यादा निवेश आए, अन्य राज्यों के प्रतिभाशाली लोग यहां आकर अपना योगदान दें। सरकार को आनन-फानन में ऐसे नियम नहीं बनाने चाहिएं, जो उद्योग जगत में अनिश्चितता और आशंकाओं के वातावरण की वजह बनें। भारत में सरकारी नौकरियों में आरक्षण पहले ही बहुत संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। इसके पीछे सरकारों, राजनीतिक दलों के अपने तर्क हैं। वहीं, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि कुछ वर्गों में असंतोष भी पैदा हो रहा है। आरक्षण पाने के लिए कितने ही हिंसक प्रदर्शन हो चुके हैं, जिनमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। इन दिनों बांग्लादेश इसी आग से झुलस रहा है। ऐसे में निजी क्षेत्र में आरक्षण देने के फैसले से आशंकाएं तो पैदा होंगी ही, अन्य राज्यों की सरकारें भी यह कोशिश करेंगी कि बदलते हालात में कंपनियां उनके शहरों का रुख करें! कर्नाटक सरकार उन तमाम बिंदुओं पर अध्ययन, मनन और चिंतन करे, उद्योग जगत से चर्चा करे। उसके बाद ही कोई कदम उठाए।

ट्वीटर टॉक

पत्रकार स्वर्गीय श्री बिशन सिंह शेखावत जी के नाम पर राज्य स्तरीय पत्रकारिता पुरस्कार की घोषणा के उपरांत, आज मुख्यमंत्री निवास पर पत्रकार बंधुओं द्वारा सरकार का आभार ज्ञापित किया गया, जिसके लिए आप सभी का आत्मीय अभिनंदन प्रकट करता हूं।

-भजनलाल शर्मा

विश्व शांति की स्थापना के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले दक्षिण अफ्रीका के भूतपूर्व राष्ट्रपति 'नोबेल पुरस्कार' एवं 'भारत रत्न' से सम्मानित नेल्सन मंडेला जी की जयंती पर उन्हें मेरा श्रद्धेय नमन।

-गोविंद सिंह डोटासरा

परमवीर चक्र से अलंकृत कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह शेखावत जी को उनके बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि। जम्मू-कश्मीर के तिथवाल में अदम्य साहस और समर्पण से उन्होंने बहादुरी की नई गाथा लिखी। राष्ट्र के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

अतीत से मुक्ति

एक युवक अपने अतीत से कभी भी अलग नहीं रह पाता था। बहुत मानसिक तनाव रहता था। मगर अतीत की खिड़की को खुला ही रखता था। उसने अपनी समस्या एक संत को बताई। संत ने कहा, 'इधर आओ। इस नदी की धारा पर पैर रखो।' युवक ने पैर रखा। दो पल बाद संत ने कहा, 'चलो उसी धारा पर पैर जमाकर रखना।' 'मगर वह धारा तो आगे बढ़ गई।' 'तो तुम पीछे किसलिए। तुम भी आगे चलो। यह जीवनधारा भी पल-पल बह रही है। सब बीत ही जाता है। अतीत से मुक्त नहीं होंगे तो वर्तमान के सही दर्शन कैसे करोगे।' युवक को बात समझ आ गई। वह तनाव से बाहर आ गया।

सामयिक

बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय पर बढ़ते हमले चिंताजनक!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ गया है। हिंदू समुदाय के लोगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है साथ ही उनके धार्मिक स्थलों पर भी हमले किए जा रहे हैं। लोगों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। हिन्दू नाबालिग लड़कियों को अगुआ कर निकाह की वारदातों की झड़ी लगी है। हिन्दू मंदिरों और रिहायशी बस्तियों पर चरमपंथियों के हमले होना आम बात है। इस सब दमनकारी वारदातों में बांग्लादेश पुलिस और प्रशासन कारवाई के नाम पर सिर्फ लकीर पीटने का काम करता रहा है जिसके चलते कट्टरपंथियों के हौसले बुलंद है और अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दू अल्पसंख्यकों का जीवन एक रिपोर्ट की माने तो पिछले एक साल में करीब एक हजार से ज्यादा ऐसे मामले आए हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है, वहीं हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है।

यह वही बांग्लादेश है जो 1971 के 'मुक्ति संग्राम' में पाकिस्तान की हार के बाद अस्तित्व में आया था। लेकिन बांग्लादेश में भी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा पाकिस्तान की भांति ही अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर हिंसा जारी है।एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि पिछले सिर्फ एक साल में एक हजार से ज्यादा ऐसे मामले आए हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है, वहीं हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है। बांग्लादेश हिंदू, बुद्धिस्ट, क्रिश्चियन ओइक्या परिषद ने एक रिपोर्ट पेश की जिसमें ये चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इन्हीं सबको लेकर 12 जुलाई को ढाका नेशनल प्रेस क्लब के सामने हिंदुओं के कुछ समूह ने प्रदर्शन भी किया।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें किस तरह नफरत की फसल तैयार करने में लगीं है इस का अंदाजा पिछले कुछ दिनों में सामने आई निम्न घटनाओं से लगाया जा सकता है। 16 फरवरी, 2024 को 'ब्राह्मणबारिया' जिले के 'पाइकपारा' इलाके में कुछ बदमाशों ने सरस्वती पूजा पंडाल पर हमला करके मूर्ति को तोड़ दिया तथा शिकायत दर्ज करवाने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की इसी दिन 'दिनाजपुर' जिले में एक विश्वविद्यालय में कुछ मुस्लिम छात्रों ने सरस्वती पूजा के मंडप में तोड़फोड़ की तथा एक अन्य घटना में 'पिरोजपुर' जिले में कुछ उपद्रवियों ने हिंदुओं के कई मकानों को आग लगा दी। वहीं 8 फरवरी को 'मौलवी बाजार' शहर में स्थित काली मंदिर की मूर्तियां तोड़ी गईं और आभूषण चुरा लिए गए। 3 मार्च को कट्टरपंथी तत्व गोपालगंज में एक महिला पुजारी की हत्या करने के बाद देवी के मंदिर से सोना और गहने लूट कर ले गए। 22 मार्च को 'सिराजगंज' में उपद्रवी तत्वों द्वारा 'काली मंदिर' पर हमला करके कई मूर्तियां तोड़ दी गईं। 17 अप्रैल को 'बरीसल' में 'राधा-गोबिंद सेवाश्रम मंदिर' पर हमला करके तोड़-फोड़ की गई।23 अप्रैल को ढाका के निकट 'फरीदपुर' के 'पंचपल्ली काली मंदिर' में उपद्रवी तत्वों ने देवी की साड़ी में आग लगा दी। 21 मई को 'मागुरा' शहर में स्थित मंदिर में तोड़फोड़ करने के बाद मंदिर तथा कुछ मकानों को आग लगाकर जला दिया गया। 26 मई को एक हिन्दू छात्र उत्सव कुमार 'ज्ञान' को ईश निंदा के आरोप में मुस्लिम भीड़ ने पकड़ कर बेरहमी से पीटा जिससे वह बेहोश हो गया। 10 जुलाई को हिन्दुओं पर हमले की नवीनतम घटना राजधानी ढाका की हिन्दू बहुल 'मीरांजिला कालोनी' में हुई जहां सत्तारूढ़ अवामी लीग के गुंडों ने हिन्दुओं के अनेक मकानों और मंदिर को क्षति पहुंचाने के अलावा कालोनी में रहने वाले हिन्दुओं पर हमला करके 60 से अधिक लोगों को घायल कर दिया जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। उपद्रवी तत्वों ने यह हमला उस समय किया जब अल्पसंख्यक हिन्दुओं के पुनर्वास के लिए ढाका में बनाई गई समिति के सदस्यों ने कालोनी का दौरा किया। इसका विरोध कर रहे स्थानीय मुसलमानों के एक वर्ग ने हिन्दुओं पर जबरदस्त पत्थरबाजी शुरू कर दी और उनके मकानों तथा मंदिर को तहस-नहस कर दिया। बांग्लादेश में इसी वर्ष 7 जनवरी को हुए आम चुनावों के बाद वहां रहने वाले हिन्दुओं ने प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी 'अवामी लीग' को वोट दिया था ताकि वे देश में सुरक्षित और शांतिपूर्वक रह सकें। परंतु शेख हसीना सरकार अल्पसंख्यकों पर हमले रोकने में नाकाम रही है। अल्पसंख्यक संगठनों का दावा है कि उनके सदस्यों पर हर माह कम से कम 3 हमले हो रहे हैं। यही नहीं, इसी वर्ष 24 जनवरी से बंगलादेश में कुछ एक्टीविस्ट समूहों व विरोधी दलों द्वारा 'इंडिया आऊट' अभियान भी शुरू करके भारतीय वस्तुओं के बहिष्कार तथा हिन्दू और मुसलमानों के संबंध बिगाड़ने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं।इस तरह के हालात के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी घट रही है। अमरीका की 'अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट' के अनुसार 2022 में देश की 165.7 मिलियन आबादी में 91 प्रतिशत मुस्लिम तथा 9 प्रतिशत हिंदू रह गए हैं जबकि 2011 में 89 प्रतिशत मुस्लिम तथा 10 प्रतिशत हिंदू थे। भारत सरकार को यह मामला गंभीरता पूर्वक बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार के सामने उठाना चाहिए जिसके साथ हमारे अच्छे सम्बन्ध हैं।

बांग्लादेश के हिंदू एक्टिविस्ट डॉ गोबिन्दा चंद्र प्रामाणिक ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू ख़तरे में हैं, और सरकार चुप है। यहां 70 प्रतिशत मामले भूजिहाद से संबंधित हैं। हिन्दुओं को जबरन अवैध बेदखली के 4 प्रतिशत मामले सामने आए हैं जबकि मंदिरों पर हमले की 94 घटनाएं सामने आई हैं और 40 मूर्तियां तोड़ी गईं। दर्जनों हिंदू लड़कियों का अपहरण कर धर्म परिवर्तन कराया गया। 25 हिंदू लड़कियों के साथ बलात्कार/सामूहिक बलात्कार किया गया (उनमें से अधिकतर नाबालिग थीं)। 45 हिंदुओं की हत्या कर दी गई। जबकि36 हिंदुओं को हत्या की धमकी देने के आरोप है। विभिन्न हमलों में 479 हिंदू घायल हुए हैं। अमीर हिंदू बिजनेसमैन से जबरन वसूली के 11 मामले सामने आए हैं वहीं काल्पनिक ईशनिंदा के आरोप में 8 हिंदू गिरफ्तार किया गया। ये आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ कितना अत्याचार और दमन किया जा रहा है। आपको पता हो कि मुस्लिम देश होने के बावजूद बांग्लादेश के लोगों पर अविभाजित भारत की बंगला संस्कृति का प्रभाव है तथा इस देश ने अनेक राष्ट्र भक्त और क्रांतिकारी व देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण क्रांतिकारी कवि और साहित्यकार दिए हैं। ऐसे में बंगलादेश में उग्रवादी तत्वों का उभार चिंता का विषय है। यदि समय रहते इस पर रोक न लगाई गई तो बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्वों के और अधिक प्रभावी होने और वहां का सामाजिक ताना-बाना को नष्ट करने की आशंका बढ़ जाती है। भारत सरकार को गंभीरता से सख्त संदेश देना चाहिए।

चिंतन

आध्यात्मिक, सनातनी ऊर्जा से भारत का वैभव

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा गया है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक, अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार, निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है। वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता। ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता। इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है। सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजनी नायडू और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में सच्चरित्र जीवन और मानसिक आध्यात्मिक शक्ति एवं ऊर्जा के कारण ही स्वतंत्रता संग्राम में पराधीन भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी। किसी भी देश के नागरिक को एक दिन में सच्चरित्र नहीं बनाया जा सकता बल्कि बालकों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा से शिक्षित किया जाकर सदाचार का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। यह सर्वविदित है कि मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर देश परिस्थितियां शिक्षा और समाजिक व्यवहार का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है और नैतिकता सदाचार का पाठ किसी भी व्यक्ति को एक दिन में नहीं पढ़ाया जा सकता है। दुष्ट चरित्र पुरुष समाज में कभी भी प्रसिद्धि प्राप्त नहीं कर सकता सदैव अपनी बदनामी के कारण सिर झुका कर छुप कर घूमता है, इसीलिए भारतीय चिंतकों, मनीषियों ने लिखा और कहा है की चरित्र सदाचार की रक्षा मनुष्य को संपूर्ण प्रयास कर निरंतर करते रहना चाहिए क्योंकि नागरिकों का नैतिक और सदाचारी स्वभाव और व्यवहार राष्ट्रीय संपत्ति होता है और यही संपत्ति राष्ट्र को एक सशक्त राष्ट्र और उत्कृष्ट देश बनाने में सदैव सहायक होता है। आध्यात्मिक शिक्षा सदाचार सद्गुण और चरित्र यह मनुष्य के बहुत ही महत्वपूर्ण आंतरिक तत्व हैं और इसी से मनुष्य का सकारात्मक व्यक्तित्व निर्मित होकर महान राष्ट्र की पृष्ठभूमि को अवलंबित करता है। देश का सद्गुणी सदाचारी सच्चरित्र व्यक्ति है देश को विकास की ओर सदैव ले जा सकता है एवं एक सशक्त राष्ट्र भी बनाने में मदद करता है। इसलिए अध्यात्म चरित्र तथा नैतिक शिक्षा को किसी भी राष्ट्र में प्राथमिकता देकर पुष्पित और पल्लवित किया जाना चाहिए।

नजरिया

यूपी उपचुनाव करेंगे योगी के भाग्य का फैसला

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से यूपी के नेताओं से मिले है। मोदी और शाह यूपी के मसले का कोई सर्वसम्मत हल निकालने के लिए सतत पर्यतनशील है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यूपी के घटनाक्रम पर निगाह बनाये हुए है। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के चुनावों में एनडीए को गहरा झटका लगने के बाद उत्तर प्रदेश में बीजेपी विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में जोरशोर से जुट गई है। मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार की कमान अपने हाथ संभाल ली है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस समय राजनीतिक सरगर्मियां अपने उफान पर है। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हालात पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक भाजपा में बैठकों का दौर जारी है। प्रदेश भाजपा के भीतर सियासी पारा हाई हो गया है। मतदाता सूची से भाजपा समर्थकों के नाम काटे जाने की जानकारी भी मिल रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भाजपा आलाकमान से कहा बताते है कि केवल हिंदुत्व सत्ता प्राप्ति का मार्ग नहीं है। संघ ने आवश्यक होने पर संगठन और सत्ता में फेरबदल का सुझाव दिया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों के बावजूद भाजपा इस राज्य में लोकसभा चुनावों में कोई करिश्मा नहीं दिखा पाई। वर्ष 2019 में यूपी की 62 सीटें जीतने वाली बीजेपी 2024 में सिर्फ 33 पर सिमट गई। पार्टी को लगे इस घातक झटके के बाद कार्यकर्ताओं और नेताओं में खलबली मची है। परस्पर विरोधी बयानों की झड़ी लगी हुई है। हार के अलग अलग कारण बताये जा रहे है। नेतृत्व में परिवर्तन की अफवाहें भी उड़ रही है। हालांकि योगी को हटाना इतना आसान नहीं है। जो योगी को जानते हैं वो ये भी अच्छी तरह जानते हैं कि वो टूट सकते हैं पर झुकेंगे नहीं। सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य में टकराव की खबरें हैं। अटकलों का बाजार गर्म है कि बीजेपी जल्द ही कोई बड़ा फैसला कर सकती है। यूपी में सियासी हलचल के बीच गृहमंत्री अमित शाह बुधवार दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यकर्ताओं से अति आत्मविश्वास में नहीं रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि 'अति आत्मविश्वास' की वजह से बीजेपी लोकसभा 2024 के चुनाव में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी। एनडीए के घटक दल अलग अलग स्वरों में बोल रहे है। कोई अफसरशाही पर दोष मंड रहा है तो कोई गरीबों पर बुलडोज़र एक्शन को जिम्मेदार ठहरा रहा है। सरकार और बाहर से आरोप-प्रत्यारोप का खेल जारी है। सरकार में साझीदार संजय निषाद से अलग से ही मोर्चा खोलते हुए कहा कि कई अधिकारी बसपा और सपा के लिए काम कर रहे थे। इसी बीच मौर्य ने कहा संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है। राजनीतिक गलियारों में केशव मौर्य और योगी आदित्यनाथ के बीच तकरार की भी खबरें हैं। मौर्य को पार्टी बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। वह ओबीसी का बड़ा चेहरा हैं और संगठन में लंबा अनुभव रखते हैं। बीजेपी को निराश कार्यकर्ताओं का मैसेज भी देना है। मौर्य को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सिराथू सीट से हारने के बावजूद मौर्य को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। मौर्य की पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद लखनऊ से लेकर दिल्ली तक यूपी भाजपा में बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। बहरहाल भाजपा अभी हार को पचा नहीं पा रही है।

यूपी विधानसभा के दस उप चुनाव भी शीघ्र होने जा रहे है जिसमें पार्टियों की अग्नि परीक्षा होंगी। यह लगभग तय हो चुका है कि ये उप चुनाव ही करेंगे योगी के भाग्य का फैसला। समाजवादी पार्टी अपने छह बागी विधायकों की सदस्यता समाप्त करने में कामयाब हो चुकी है, इस तरह कुल 16 उपचुनावों के लिए बीजेपी को तैयार रहना चाहिए। 16 में से 11 सीटें सपा के पास हैं तो वहीं एनडीए के खेमें से पांच विधायक अब सांसद है। इनमें चार बीजेपी के है। सपा प्रमुख समेत पार्टी के चार विधायक अब सांसद हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से यूपी के नेताओं से मिले है। मोदी और शाह यूपी के मसले का कोई सर्वसम्मत हल निकालने के लिए सतत पर्यतनशील है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यूपी के घटनाक्रम पर निगाह बनाये हुए है। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के चुनावों में एनडीए को गहरा झटका लगने के बाद उत्तर प्रदेश में बीजेपी विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में जोरशोर से जुट गई है। मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार की कमान अपने हाथ संभाल ली है। मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। सियासी सूत्रों के मुताबिक विधान सभा उप चुनाव भाजपा में फेरबदल की रणनीति को अंतिम रूप देंगे। यदि परिणाम अनुकूल नहीं आये तो आलाकमान योगी को हटाकर किसी दूसरे नेता को शासन की कमान सौंप सकते है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'बेल्ट एंड रोड' परियोजनाओं पर आगे बढ़ना चाहता है चीन : प्रधानमंत्री ली कियांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/बीजिंग/भाषा। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने 'चीन-नेपाल बेल्ट एंड रोड कोआपरेशन' के तहत सहयोग करने के लिए पूर्व में शीर्ष नेताओं तथा दोनों देशों के बीच बनी सहमति को लागू करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा देने की अपनी इच्छा जताई। नेपाल के नव नियुक्त प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को दिए संदेश में ली ने उन्हें चीन सरकार तथा उनकी ओर से हार्दिक बधाई दी। उन्होंने चीन-नेपाल बेल्ट एंड रोड कोआपरेशन के तहत सहयोग करने के लिए पूर्व में शीर्ष नेताओं तथा दोनों देशों के बीच बनी सहमति को लागू करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा देने की अपनी इच्छा जतायी। नेपाल और चीन ने 'बेल्ट एंड रोड पहल' (बीआरआई) पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की महत्वाकांक्षी पहल है।

इसके तहत, दोनों देशों द्वारा अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी और संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग के लिए कनेक्टिविटी, व्यापार, विकास रणनीतियों और नीति संवाद पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है।

ली ने कहा कि वह विकास व समृद्धि हासिल करने के लिए हमेशा नेपाल-चीन के अनुकूल रणनीतिक साझेदारी में नई प्रगति देखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, समानता और सभी के हितों पर आधारित है।

स्थानीय मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की 2019 में नेपाल यात्रा के दौरान नेपाल और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध रणनीतिक स्तर तक बढ़े थे। दोनों देशों ने नेपाल-चीन संबंधों को ''स्थायी मित्रता की विशेषता वाली व्यापक सहयोग साझेदारी'' से ''विकास व समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी'' में बदलने पर सहमति व्यक्त की थी।

काठमांडू में प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव, अमेरिकी राजदूत डी आर. थॉम्पसन और चीनी राजूदत चेन सोंग ने प्रधानमंत्री ओली से सिंहदरबार में उनके कार्यालय में अलग-अलग मुलाकात की थी और उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं।

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनीफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और चीन समर्थक नेता माने जाने वाले ओली को 14 जुलाई को नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। वह अब नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं जिसके सामने इस हिमालयी देश में राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने की चुनौती है।

डोनाल्ड ट्रंप फिर से रिपब्लिकन नामांकन स्वीकार करेंगे

मिलवाउकी, 18 जुलाई (एपी) डोनाल्ड ट्रंप बृहस्पतिवार को 'रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन' में मंच पर अपनी पार्टी का नामांकन पुनः स्वीकार करेंगे। पेनसिल्वेनिया में एक रैली में हुए जानलेवा हमले के प्रयास बाद बीच में ही अपना संबोधन छोड़ने को मजबूर हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हमले के बाद अपना पहला भाषण भी देंगे।

ट्रम्प के संबोधन के साथ मिलवाउकी में चार दिवसीय सम्मेलन का समापन होगा। वह पहले तीन दिनों में अपने कान पर सफेद पट्टी बांधकर आए थे, जिससे शनिवार की गोलीबारी में उन्हें लगा घाव ढका हुआ था।

सम्मेलन आयोजकों ने इस बात पर जोर दिया कि वे गोलीबारी के 48 घंटे से भी कम समय बाद अपनी योजना के अनुसार कार्यक्रम जारी रखेंगे।

पेन्सिलवेनिया में मंच पर जब गोली चलने के बाद सुरक्षाकर्मी चोटिल ट्रंप को लेकर जा रहे थे तो पूर्व राष्ट्रपति ने खड़े होकर अपनी मुट्ठी बांधते हुए कहा था लड़ो। सम्मेलन में वक्ताओं और प्रतिनिधियों ने ट्रंप के शब्दों के सम्मान में बार-बार लड़ो, लड़ो, लड़ो! के नारे लगाए। यहां तक कि उनके कुछ समर्थक सम्मेलन स्थल पर ट्रंप के प्रति समर्थन जताने के लिये अस्थायी पट्टियां लगाकर पहुंचे थे।

वक्ताओं ने ट्रंप के बचने का श्रेय ईश्वरीय हस्तक्षेप को दिया तथा हादसे में जान गंवाने वाले कोरी कॉम्पेरेटोरे को श्रद्धांजलि दी, जो रैली में गोलीबारी से अपनी पत्नी और बेटी को बचाने के दौरान मारे गए थे।

ट्रंप के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, ओहियो के सीनेटर जे.डी. वेंस ने बुधवार को सम्मेलन में अपने भाषण में कहा, यह जश्न के दिन के बजाय, दुख और शोक का दिन हो सकता था। गोलीबारी के बाद से ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा है, हालांकि उन्होंने बगैर कैमरे के साक्षात्कार दिए हैं।

एशिया कप

कोलंबो में गुरुवार को महिला एशिया कप 2024 से पहले ट्रॉफी के साथ पोज देती महिला एशिया कप टीम की कप्तान: हरमनप्रीत कौर (भारत), चमारी अथापथु (श्रीलंका), निगार सुल्ताना जोटी (बांग्लादेश), इंदु बर्मा (नेपाल), ईशा रोहित ओझा (यूनाइटेड) अरब अमीरात), निदा डार (पाकिस्तान), थिपचा पुथावोंग (थाईलैंड), और विनीफ्रेड दुराईसिंगम (मलेशिया)।

कैसे एक सदी पुराने इलाज से सर्पदंश के उपचार में आ सकती क्रांति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। दुनिया भर में हर साल करीब 18 लाख लोग सर्पदंश के शिकार होते हैं जिनमें से 1,38,000 काल के गाल में समा जाते हैं जबकि अन्य चार लाख लोग स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाते हैं। अनेक कोबरा सांप ऊतकों को नष्ट करने वाले जहर से युक्त होते हैं और उनका इलाज मौजूदा 'एंटीवेनम' से नहीं किया जा सकता। हमने सस्ते और खून को पतला करने की दवा की खोज की है जिसका इस्तेमाल इन विष के असर को कम करने में किया जा सकता है। सीआरआईएसपीआर जीन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर हमने कोशिकाओं पर इस विष के प्रभाव करने के तरीके के बारे में जाना है और पाया है कि सामान्य दवा श्रेणी में आने वाली 'हेपरिनोइड्स' कोशिकाओं को इस जहर से बचा सकती है। हमारे अनुसंधान को आज 'साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

सर्पदंश गंभीर समस्या

सांप का जहर कई अलग-अलग यौगिकों से बना होता है। आम तौर पर यह हृदय, तंत्रिका तंत्र या काटने के स्थान पर ऊतकों (त्वचा एवं मांशपेशियों के) को नुकसान पहुंचाता है।

अधिकतर संपदर्श अनुसंधान में सबसे अधिक प्राणघातक जहरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इसका नतीजा है कि वे जहर जो कम प्राणघातक हैं लेकिन फिर भी दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न करते हैं जैसे कोबरा का जहर, इस बारे में कम ध्यान दिया जाता है। जिन इलाकों में कोबरा का निवास है, वहां पर सर्पदंश के घातक असर हो सकते हैं जैसे अंग को काटने की स्थिति जिससे जीवनभर के लिए समस्या उत्पन्न हो सकती है या व्यक्ति के कमाने की योग्यता समाप्त हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सर्पदंश को नजरअंदाज किए जाने वाली उष्णकटिबंधीय बीमारियों की 'एक श्रेणी' में रखा है और उम्मीद जताई है कि 2030 तक सर्पदंश में 50 प्रतिशत की कमी लाई जा सकेगी। मौजूदा समय में सर्पदंश का एकमात्र इलाज एंटीवेनम है। इस दवा को तैयार करने के लिए पहले जानवर के शरीर में जहर की थोड़ी मात्रा पहुंचाई जाती है और उससे तैयार एंटीबॉडी से दवा बनाई जाती है। एंटीवेनम जिंदगियां तो बचाती है लेकिन इसके कई नकारात्मक पहलू भी हैं। प्रत्येक एंटीवेनम किसी खास प्रजाति या एक से अधिक प्रजाति के सांप के काटने पर कारगर होता है। इस सर्प विष रोधी दवा और इसके भंडारण के लिए शीतगृह की आवश्यकता पड़ती है तथा इसे अस्पताल में ही दिया जाना चाहिए। इससे भी बड़ी समस्या है कि एंटीवेनम काटने के स्थान पर ऊत्तकों को हुए नुकसान को ठीक नहीं कर सकते हैं। इसका कारण है कि एंटीवीनेम में मौजूद एंटीबॉडीज आकार में बड़ी होती हैं और बाहरी ऊतकों तक पहुंच नहीं पाती हैं। हमारी टीम ने सर्पदंश के इलाज के लिए अन्य विकल्पों की तलाश शुरू की। टीम में ऑस्ट्रेलिया स्थित सिडनी विश्वविद्यालय, ब्रिटेन स्थित लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन और कोस्टा रिका स्थित इंस्टीट्यूटो क्लोडोमिरो पिकाडो के अनुसंधानकर्ता थे।

सबसे पहले, हम यह समझना चाहते थे कि ये जहर कैसे काम करते हैं। हमने कोबरा से शुरुआत की, जो अफ्रीका और दक्षिण एशिया में पाए जाते हैं। हमने अफ्रीकी 'स्पिटिंग कोबरा' का विष लिया, जो ऊतकों को नुकसान पहुंचाने के लिए जाना जाता है, तथा हमने तथाकथित संपूर्ण जीनोम सीआरआईएसपीआर स्क्रीनिंग का प्रयोग किया। हमने विभिन्न मानव कोशिकाओं को लिया और प्रत्येक कोशिका में पूरे मानव जीनोम से एक अलग जीन को निष्क्रिय करने के लिए सीआरआईएसपीआर जीन-संपादन तकनीक का उपयोग किया।

प्रदर्शन

भोपाल में गुरुवार को कांग्रेस के मध्य प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार, नर्सिंग कॉलेज घोटाले को लेकर मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए समर्थकों के साथ अशोक गार्डन पुलिस स्टेशन तक मार्च किया।

फिल्म 'ब्लडी इश्क' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक विक्रम भट्ट की आने वाली हॉरर फिल्म ब्लडी इश्क का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। डिज्नी + हॉट स्टार और महेश भट्ट प्रस्तुत ब्लडी इश्क में अविका गौड़ और वर्धन पुरी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। विक्रम भट्ट निर्देशित यह फिल्म 26 जुलाई को डिज्नी + हॉट स्टार पर रिलीज होगी। ब्लडी इश्क का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 'ब्लडी इश्क' के ट्रेलर की शुरुआत एक सुनसान आईलेंड और उस पर बने एक हवेली से होती है। इसके बाद अविका की आवाज सुनाई देती है, जहां वह वर्धन से पूछती हैं कि इस आईलेंड पर और कौन रहता है? वर्धन जवाब देते हैं, कोई नहीं। इसके बाद हवेली में कुछ अजीब घटनाएं होती है। ऐसा लगता है कि जैसे अविका और वर्धन वहां अकेले नहीं हैं। ट्रेलर के आखरि में इसकी पुष्टि भी हो जाती है। एक लड़की आत्मा अविका से कहती है कि यह भुतहा हवेली है। लेकिन अब सवाल ये है कि ये लड़की कौन है? उसकी आत्मा क्यों भटक रही है? और वह अविका के पीछे क्यों पड़ी है? विक्रम भट्ट ने कहा, आप लोगों के लिए ये विश्वास करना मुश्किल होगा लेकिन मुझे हॉरर फिल्में देखने से डर लगता है। हालांकि मैं अपने व्यूअर्स के लिए ऐसी फिल्में बनाना बहुत पसंद करता हूं। मैं काफी समय से हॉरर लव स्टोरी बनाने की कोशिश कर रहा था फिर मैंने भट्ट साहब से इस बारे में बात की। उन्होंने बिना कुछ सोचे समझे इसके लिए हामी भर दी और अब हम ब्लडी इश्क लेकर आ रहे हैं।

आईटीआई लि. ने एसईएस 2024 में अपनी तकनीकी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आईटीआई लिमिटेड रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स शिखर सम्मेलन 2024 (एसईएस 2024) के 13वें संस्करण में भाग ले रही है, जो स्वदेशी रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को बढ़ावा देने के लिए भारत का प्रमुख कार्यक्रम है। इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएलसीआईएनए) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 18 जुलाई तक बेंगलूरु के ललित अशोक होटल में होगा।

आईटीआई लि. 100 से अधिक प्रदर्शकों के साथ अपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विनिर्माण विशेषज्ञता का प्रदर्शन करेगी। एसईएस थलसेना, वायुसेना, सुरक्षा एवं निगरानी, नौसेना और अंतरिक्ष क्षेत्रों के लिए उपकरण और प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए एक बड़ा मंच है। दो दिवसीय कार्यक्रम के भाग के रूप में, आईटीआई लि. संभावित ग्राहकों, साझेदारों और सहयोगियों से मुलाकात करेगी तथा स्थायी सहयोग स्थापित करने का प्रयास करेगी।

आईटीआई लि. रक्षा सुरक्षा एन्क्रिप्शन उत्पाद, ऑप्टिकल और डेटा नेटवर्क उत्पाद और पैसिव अवसंरचना उत्पाद जैसे गीगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क (जीपीओएन) और मैनेज लीज्ड लाइन उत्पाद (एमएलएलएन), मल्टी-कैपेसिटी एन्क्रिप्शन यूनिट, स्मार्ट एनर्जी मीटर, स्मार्ट कार्ड, सोलर पैनल, सेट-टॉप बॉक्स और मिनी पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (एलओटी) उत्पाद प्रदर्शित करेगी। उसके पास रक्षा और विमानन ग्राहकों की सेवा का समृद्ध अनुभव है। इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'आईटीआई लिमिटेड आधुनिक तकनीक पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक/दूरसंचार विनिर्माण और डिजिटल समाधान एवं सेवाओं की एक पूरी शृंखला लेकर आती है, जिसमें पीसीबी विनिर्माण से लेकर 3डी प्रिंटिंग और डिजिटल मोबाइल रेडियो से लेकर डेटा सेंटर तक शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि हम एसईएस 2024 और प्रदर्शकों की शानदार सूची का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं।

यह हमारे उत्पादों के विस्तृत पोर्टफोलियो को प्रदर्शित करने के लिए बेहतरीन मंच है। हम निश्चित रूप से अन्य समान विचारधारा वाले प्रौद्योगिकी खिलाड़ियों के साथ साझेदारी बनाने पर विचार करेंगे।

पंकज त्रिपाठी ने जारी किए 'स्त्री-2' के नए पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

ट्रेलर रिलीज़ से पहले, पंकज त्रिपाठी ने स्त्री 2 के निर्माताओं के साथ मिलकर बुधवार को सोशल मीडिया पर दिलचस्प नए पोस्टर जारी किए। फिल्म में अहम सहायक भूमिका निभा रहे पंकज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव और अपारशक्ति खुराना सहित स्त्री 2 के सभी मुख्य कलाकारों के नए पोस्टर शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''भारत का सबसे पसंदीदा गैंग स्त्री के साथ वापस आ गया है, आपको डराने और हंसाने के लिए!''

पोस्टर में बिक्की (राजकुमार) और उसके साथियों को हाथों में आग की छड़ी और मशाल लेकर स्त्री का सामना करते हुए दिखाया गया है। पोस्टर शेयर होते ही प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा, ओ स्त्री कल ट्रेलर लेकर के आना। दूसरे यूजर ने कमेंट किया, आप आ रहे हो न देखना, आपका इंतज़ार रहेगा। दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स 18 जुलाई को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च करेंगे।

इस हफ़्ते की शुरुआत में श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर फ़िल्म का नया पोस्टर शेयर किया और ट्रेलर रिलीज़ को लेकर उत्साह जताया। पोस्टर में काले रंग की एक महिला को पीछे से देखा जा सकता है, जो अपनी पोनी टेल पकड़े हुए है, जिससे बिजली गिर रही है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, काली टैगट से सबकी रक्षा करने वो आ रही है बस 2 दिन में! स्त्री2 का ट्रेलर 2 दिन में रिलीज़ होगा!

लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 2024 को वापस आ रहा है। पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी अभिनीत यह फिल्म डरावनी लेकिन प्रफुल्लित करने वाली दुनिया में वापसी का वादा करती है, जहां पौराणिक स्त्री पुरुषों को डराती रहती है। स्त्री 2018 में रिलीज़ हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। ओजी फिल्म से 'ऊ स्त्री कल आना' वाक्यांश, बार-बार मीम्स में इस्तेमाल किया गया है। अमर कौशिक ने दोनों भागों का निर्देशन किया है।

'फिर आई हसीन दिलरुबा' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी स्टारर 'फिर आई हसीन दिलरुबा' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी स्टारर हसीन दिलरुबा , हसीन दिलरुबा का सीक्वल है।पहले पार्ट का निर्देशन विनील मैथ्यू ने किया था, जबकि दूसरे पार्ट का निर्देशन जयप्रद देसाई ने किया है।फिर आई हसीन दिलरुबा में सनी कौशल और जिमी शेरगिल की भी अहम भूमिका है।इस फिल्म की कहानी वहीं शुरू होती है जहां से हसीन दिलरुबा खत्म हुई थी। निर्माताओं ने फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के किरदारों की पहली झलक साझा की है।

पोस्टर में तापसी, सनी कौशल और विक्रांत मैसी नजर आ रहें हैं। तीनों कलाकार बारिश में खड़े नजर आ रहे हैं। सनी कौशल अपने एक हाथ में गुलाब का गुलदस्ता थामे नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा गया है, खून को मिटाए ये बारिश, यही है इस कातिलाना इश्क की गुजारिश, फिर आई हसीन दिलरुबा, 09 अगस्त को आ रही है, केवल नेटफ्लिक्स पर।

फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को कनिका ढिल्लों ने लिखा है। कनिका फिर आई हसीन दिलरुबा की को-प्रोड्यूसर भी हैं। फिल्म का निर्माण आनंद एल. राय की कलर येलो प्रोडक्शंस और भूषण कुमार की टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा किया गया है।

बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार थे राजेश खन्ना

पुण्यतिथि के अवसर पर

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी फिल्म जगत में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता तो कई हुए और दर्शकों ने उन्हें स्टार कलाकार माना पर सत्तर के दशक में राजेश खन्ना पहले ऐसे अभिनेता के तौर पर अवतरित हुए जिन्हें दर्शको ने 'सुपर स्टार' की उपाधि दी। पंजाब के अमृतसर में 29 दिसंबर 1942 को जन्में जतिन खन्ना उर्फ राजेश खन्ना का बचपन के दिनों से ही रुझान फिल्मों की और था और वह अभिनेता बनना चाहते थे हांलाकि उनके पिता इस बात के सत खिलाफ थे।राजेश खन्ना अपने करियर के शुरुआती दौर में रंगमंच से जुड़े और बाद में यूनाईटेड प्रोड्यूसर ऐसोसियिशेन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया टैलेंट कान्टेस्ट में उन्होंने भाग लिया। जिसमें वह प्रथम चुने गये।राजेश खन्ना ने अपने सिने करियर की शुरुआत 1966 में चेतन आंनद की फिल्म 'आखिरी खत' से की । वर्ष 1966 से 1969 तक राजेश खन्ना फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे।

राजेश खन्ना के अभिनय का सितारा निर्माता-निर्देशक शक्ति सामंत की क्लासिकल फिल्म 'अराधना' से चमका। बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की गोल्डन जुबली कामयाबी ने राजेश खन्ना को 'स्टार' के रूप में स्थापित कर दिया। फिल्म 'अराधना' की सफलता के बाद अभिनेता राजेश खन्ना शक्ति सामंत के प्रिय अभिनेता बन गये। बाद में उन्होंने राजेश खन्ना को कई फिल्मों में काम करने का मौका दिया। इनमें 'कटी पतंग', 'अमर प्रेम', 'अनुराग', , 'अजनबी', 'अनुरोध' और 'आवाज' आदि शामिल है ।

फिल्म अराधना की सफलता के बाद राजेश खन्ना की छवि रोमांटिक हीरो के रूप में बन गयी। इस फिल्म के बाद निर्माता निर्देशकों ने अधिकतर फिल्मों में उनकी रुमानी छवि को भुनाया। निर्माताओं ने उन्हें एक कहानी के नायक के तौर पर पेश किया। जो प्रेम प्रसंग पर आधारित फिल्में होती थी।

सत्तर के दशक में राजेश खन्ना लोकप्रियता के शिखर पर जा पहुंचे और उन्हें हिंदी फिल्म जगत के पहले सुपरस्टार होने का गौरव प्राप्त हुआ। यूं तो उनके अभिनय के कायल सभी थे लेकिन खासतौर पर टीनएज लड़कियों के बीच उनका क्रेज कुछ ज्यादा ही दिखाई दिया। एक बार का वाकया है जब राजेश खन्ना बीमार पड़े तो दिल्ली के कॉलेज की कुछ लड़कियों ने उनके पोस्टर पर बर्फ की थैली रखी जिससे उनका बुखार जल्द उतर जाये।इतना ही नहीं लड़कियां उनकी इस कदर दीवानी थी कि उन्हें अपने खून से प्रेम पत्र लिखा करती थी और उससे ही अपनी मांग भर लिया करती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 19-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के तत्वावधान में गायत्री विहार में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेला 'दि इनर स्टोरी' का गुरुवार को रंगारंग समापन हुआ। इस अवसर पर व्यापारियों ने अगले वर्ष नए अंदाज में नए जोश के साथ मिलने का वादे के साथ विदाई ली।

हेल्पिंग हैंड्स संस्था के सदस्यों ने सरकारी स्कूल में भेंट की टीवी, जलशोधन यंत्र व स्टेशनरी सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने इट्टेगुड स्थित सरकारी स्कूल को स्मार्ट टेलीविजन और वाटर प्यूरीफायर दान किया तथा न्यू इट्टेगुड, विद्यारायनपुरम स्थित सरकारी स्कूल के बच्चों को स्कूल बैग, किताबें, जूते, मोजे, पानी की बोतलें और स्टेशनरी सामग्री वितरित की। संस्था के सचिव आनंद पटवा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए स्कूलों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इन मौके पर अध्यक्ष महावीर खाबिया, कोषाध्यक्ष राजन बाघमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रकाश गांधी, सदस्य मनोहर सांखला, गौतम पटवा, दिनेश बोहरा, जम्बू लोढ़ा, लेडीज विंग सदस्य सीमा बोहरा, इंद्राबाई खाबिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शंकरपुरम के केसरिया आदिनाथ जैन मंदिर की प्रतिष्ठा मुहूर्त घोषित

तवाव में आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वर ने प्रदान किया आगामी वर्ष 16 मार्च का मुहूर्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक शंकरपुरम संघ के अंतर्गत संगमरमर का शिल्पकलायुक्त निर्माणाधीन श्री केसरिया आदिनाथ मंदिर के प्रतिष्ठा मुहूर्त लेने हेतु शंकरपुरम संघ के 108 सदस्य, ट्रस्ट मंडल, लाभार्थी परिवार आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी की निश्रा में प्रतिष्ठा हेतु निवेदन किया। संघ के सदस्य विमान यात्रा द्वारा रवाना होकर पहले उदयपुर के पास केसरिया तीर्थ दर्शन, पूजन किया तथा चिंतामणि आदिनाथ तीर्थ, पद्मनाभ स्वामी तीर्थ दर्शन किये। दूसरे दिन पंथेरी से रवाना होकर संघ प्रतिनिधिमंडल आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा. के चातुर्मास प्रवेश तवाव नगरी पहुंचे। शंकरपुरम संघ के प्रमुख ट्रस्टी मुकेश पुनमिया ने गुरुदेव से संघ की ओर से निवेदन किया और प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त प्रदान करने की का निवेदन व निश्रा प्रदान करने का आग्रह किया। इस सम्पूर्ण मंदिर सभी विधिविधान मार्गदर्शक गुरुदेव के निर्देशानुसार किए गए हैं। चातुर्मास प्रवेश के मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आचार्यश्री ने शंकरपुरम संघ का निवेदन स्वीकार कर केसरिया आदिनाथ जैन मंदिर के प्रतिष्ठा का मुहूर्त आगामी वर्ष 16 मार्च का दिया गया।

मुहूर्त की घोषणा होते ही पूरा शंकरपुरम संघ व बेंगलूरु के श्रावक श्राविकाओं ने नाच झूमकर अपनी खुशी व्यक्त की तथा गुरुदेव को धन्यवाद अर्पण किया। तवाव संघ के अध्यक्ष प्रकाशराठोड ने शंकरपुरम संघ के पदाधिकारियों का सम्मान किया। मुहूर्त लेने के पश्चात बेंगलूरु संघ मांडोली, जीरावाला, बाली, सेसली तीर्थ, वरकाना एवं नारलाई दर्शन कर वापसी उदयपुर से बेंगलूरु पहुंचा। इस त्रिदिवसीय यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी पारसमलजी मुकेशकुमार पुनमिया परिवार का उनके पैतृक गाँव बाली में संघ द्वारा सम्मान किया गया। इस यात्रा संघ में अग्रणी ट्रस्ट मंडल के सदस्य राणमल बागरेचा, महिपाल खांटेड, मीठालाल ओस्तवाल, प्रकाश बडोला, शांतिलाल श्रीश्रीमाल, किरण पावेचा, सुरेश पावेचा, अनूप श्रीश्रीमाल, संदीप खांटेड, गायक विपिन पोरवाल एवं प्रवीण चोपड़ा सहित एवं युवा टीम के सदस्य उपस्थित थे।

'प्रेक्षाध्यान से जीवन बदल सकता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन के प्रांगण में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि आध्यात्मिक महासागर में डूबने के लिए भक्ति चाहिए। जो जितना गहराई में उतरेगा वहीं किनारे को प्राप्त करेगा। साध्वीश्री भव्ययशाजी, शिक्षाप्रभाजी ने प्रेक्षाध्यान गीत का संगान किया। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित प्रेक्षा फाउंडेशन के वरिष्ठ प्रशिक्षक राजेंद्र मोदी ने प्रेक्षाध्यान की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करवाई तथा इसके प्रयोग करवाए। प्रेक्षा फाउंडेशन के दक्षिण प्रशिक्षक संयोजिका वीणा बैद, सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, सभा उपाध्यक्ष ललित मांडोत, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, छत्रसिंह मालू,गौतम मुथा, प्रकाश कोठारी एवं अनेक गणमान्यगण उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने किया।

सौ करोड़ से अधिक का व्यवसाय कर फिर मिलने के वादे के साथ 'दि इनर स्टोरी' सम्पन्न

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के ट्रेड शो को मिली नई उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के तत्वावधान में गायत्री विहार में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेला 'दि इनर स्टोरी' का गुरुवार को रंगारंग समापन हुआ। इस अवसर पर व्यापारियों ने अगले वर्ष नए अंदाज में नए जोश के साथ मिलने का वादे के साथ विदाई ली। इस तीनों दिनों की प्रदर्शनी में प्रदेश के 6 हजार से अधिक व्यापारियों ने नए अनुबंध किए और लोगों ने खरीदारी की। मेले के तीनों दिन में सौ करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार अनुबंध हुए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि व्यापार अनुबंध की दृष्टि से मेक इन इंडिया पर आधारित मेले में सौ करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार अनुबंध किए गए हैं। गत वर्ष ये आंकड़ा करीब 90 करोड़ रुपए का था। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए किया की पूरी टीम गत एक माह से रात दिन लगी हुई थी, यह उसी का सकारात्मक परिणाम है कि व्यापार अनुबंध सौ करोड़ को पार कर सका है। बुधवार को सभी प्रतिभागियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया था। इस दौरान व्यापारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह मेला उनके लिए सुखद रहा है। इस बार गत वर्षों की तुलना में अधिक व्यापार हुआ है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने कहा कि किया का यह मेला पूरी तरह मेक इन इंडिया की थीम पर आधारित था। इस प्रदर्शनी में राज्य के कपड़ा मंत्री से लेकर अनेक प्रशासनिक अधिकारी व राजनेता शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 73 स्टालों को अच्छा रेस्पांस मिला है जो कि एक अच्छा संकेत है। एसोसिएशन के सचिव रविन्द्र बम्बोरी ने कहा कि ट्रेड फेयर में शामिल सभी कम्पनियों व प्रतिष्ठानों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा आयोजन हमेशा आयोजकों व प्रदर्शनकर्ताओं के सहयोग से ही संभव होता है। इस अवसर पर संयुक्त सचिव जिनेन्द्र कुमार, शैंकी जैन, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, आईपीपी रमेशचंद जैन, गौरव शर्मा, राजेश चौपड़ा, मनीषजैन, मूलसिंह राजपुरोहित, महेन्द्र जैन, महिपाल टजैन, माधुराम खड़ाव भी उपस्थित थे।

गुरुदेव की पुण्यतिथि पर खरतरगच्छ युवा शाखा ने की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने मुनिश्री मलयप्रभसागरजी एवं गुरुवर्याश्री प्रियस्वर्णजनाश्रीजी की प्रेरणा से जंगम युगप्रधान दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वर जी म.सा की 870वीं स्वर्गारोहण पुण्यतिथि का उपलक्ष्य में विजीपुरा स्थित पद्मावती प्राणीधाय गौशाला में गायों को हरी घास(चारा) खिलाकर गौसेवा की।

परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, मंत्री विकाश खटोड़, प्रमोद गुलेच्छा एवं गिरीश राखेचा ने व्यवस्था संभाली।

श्रीरामपुरम में साध्वीश्री विपुलदर्शना का हुआ चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राष्ट्रसंत आचार्य आनंदऋषिजी की आज्ञानुवर्तिनीश्री प्रमोदसुधाजी व किरणप्रभाजी की शिष्याएं साध्वीश्री विपुलदर्शनाजी का श्रीरामपुरम स्थानक में चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। राजाजीनगर स्थानक से प्रारंभ मंगल प्रवेश यात्रा में संतश्री वीरेंद्रमुनिजी व पंकजमुनिजी के सान्निध्य में जयकारों व मंगल भावना के साथ साध्वी मंडल को श्रीरामपुरम स्थानक में प्रवेश कराया गया। शोभायात्रा में बेंगलूरु, पूना, सोलापुर, पाचौरा, नासिक, हुब्बबल्ली सहित श्रीरामपुरम संघ, महिला मंडल, बहु मंडल, नवयुवक मंडल, बाल मंडल, कन्या मंडल के सदस्यों के साथ अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया।

श्रीरामपुरम स्थानक में प्रार्थना व जाप के साथ प्रवेश कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्वाध्यायी उत्तम गुगलिया ने मंगलाचरण किया। संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खिंवेसरा ने सभी का स्वागत किया संघ मंत्री अशोक गुगलिया ने चातुर्मास काल के दौरान संघ द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, चारित्र आत्माओं की जन्म-जयंतियों, संवत्सरिक पर्व के आयोजनों, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा नित्यप्रति होने वाली प्रार्थना-व्याख्यान-धार्मिक क्लास-धार्मिक चर्चा का क्रमवार ब्योरा रखा। हुब्बल्ली के महेंद्र सिंघी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए अत्यंत पुण्योदय से प्राप्त चातुर्मास जैसे इस पावन अवसर में आत्मोत्थान करने का अनुरोध किया। कर्नाटक स्वाध्याय संघ के शांतिलाल बोहरा ने कहा कि जिस प्रायोजन से आज यह आयोजन हुआ है इसका शुभ परिणाम निकलना ही चातुर्मास का असली मकसद है। संतश्री वीरेन्द्रमुनिजी, पंकजमुनिजी व साध्वीश्री विपुलदर्शना ने चातुर्मास के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया तथा चातुर्मास काल में धर्मराधना व तप-त्याग की प्रेरणा दी। बहु मंडल व कन्या मंडल ने चातुर्मासिक प्रवेश पर सुंदर प्रस्तुति दी। जैन युवा संगठन के पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल ने भगवान महावीर के 2550वें जन्मोत्सव पर होने वाले 25 करोड़ 50 लाख नवकार जाप के लक्ष्य का विवरण दिया। पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा ने नवकार जाप में भाग लेने का अनुरोध किया। श्रीरामपुरम संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने संचालन करते हुए एवंता बाल मंडल व कन्या मंडल द्वारा 21 जुलाई को आयोजित होने वाले भिक्षु दया की जानकारी दी। विहार सेवा में सहयोग करने वाले शिव-महेंद्र-सौभाग्य विहार सेवा मंडल, श्रीरामपुरम के सभी सहयोगी मंडलों व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया गया।

भगवान की पूजा मनुष्य के धार्मिक-आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित शिक्षकर सदन के गुरु भवन में नवनिर्मित गृह जिनालय में तीर्थंकर प्रतिमाओं और विविध अभिमंत्रित यंत्रों की चलप्रतिष्ठा के अवसर पर श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्मशास्त्रों का कथन हैं कि साक्षात् जीवंत परमात्मा को पाकर जितनी आत्माएं भव से पार उतरती हैं, उनसे अनेक गुणा अधिक आत्माएं मूर्तिमंत भगवान की साधना-आराधना करते हुए संसार से पार उतर जाती हैं। इस अर्थ में मूर्तियां और उनके पूजन-अनुष्ठान किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। मूर्तिपूजा के इस मर्म को जानने और समझने जैसा है। कोई मूर्तिपूजा का चाहे कितना ही विरोध क्यों न करें, सच्चाई यह है कि पूरी दुनिया मूर्तिपूजक हैं। भले ही कोई मूर्तियों या मंदिरों को न मानते हों, पर वे मीनार, मझार, दरगाह, स्तूप, स्तंभ, स्थान, ग्रंथ, किताब, जपमाला, अग्नि, समुद्र, पेड़, समाधि, इमारत या अन्य किसी न किसी प्रतीक के रूप में मूर्तिपूजा ही करते हैं। किसी धार्मिक प्रतीक को पकड़े बिना कोई धर्म या मान्यता गति नहीं पा सकती।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मूर्ति के रूप में भगवान की पूजा मनुष्य के धार्मिक-आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है। जैसे माता-पिता से जीवन की शुरुआत होती है, वैसे ही मूर्तिमंत भगवान के दर्शन-पूजन से हर सामान्य जीवन का धार्मिक-आध्यात्मिक विकास प्रारंभ होता है। जीवंत भगवान की अनुपस्थिति में मूर्ति ही भगवान की साक्षात् प्रतीति और अनुभूति है। मूर्तिपूजा का इतिहास बहुत प्राचीन एवं प्रेरणादायी है। आतितायियों के अत्याचार और धर्मांतरण के काल में मंदिरों और मूर्तियों ने ही मनुष्य की धर्मनिष्ठा को बरकरार रखा। मंदिर और मूर्तिमंत भगवान श्रद्धा, भक्ति, आत्मविश्वास और उपासना के सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैं। यहां प्रातः शुभ मुहूर्त में वर्षावास के निमित्त गृहजिनालय में विधि-विधान युक्त मनोहारी तीर्थंकर प्रतिमाओं की मंगलमय स्थापना की गई। प्रातः जलाभिषेक, चंदन पूजा, पुष्पांजलि के बाद गणि पद्मविमलसागरजी के मार्गदर्शन में श्रमणों ने मंत्रोच्चार किये।

सुहागिन महिलाओं ने कुमकुम से स्वस्तिकों की रचना की। श्रीफल अर्पण कर पीठिका की स्थापना की गयी। तत्पश्चात् सभी ने कुम्भक कर ज्यों ही जिनप्रतिमाओं को यथास्थान विराजित किया, आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने वासक्षेप का विधान कर उनकी चलप्रतिष्ठा की। बाद में भक्तों ने अक्षत, नैवेद्य, फल अर्पित कर चैत्यवंदना की। आरती और मंगल दीपक के बाद मंत्रजाप हुए।

'आंतरिक शत्रु से लड़कर केवल ज्ञान प्राप्ति संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन विजयनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्मा के दो प्रकार के शत्रु होते हैं, एक बाह्य शत्रु,एक आंतरिक शत्रु होते हैं

। साध्वीश्री ने कहा कि इंसान बाह्य शत्रु से लड़कर अपने कर्म बंधन करता है पर अपने आंतरिक शत्रु क्रोध, मान, माया, लोभ से नहीं लड़ता है। साध्वीश्री ने एक कहानी के माध्यम से बताया की आंतरिक शत्रु से लड़कर केवलज्ञान प्राप्त कर सकता। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने गीत प्रस्तुत किया।

सांसारिक इच्छाओं का अन्त ही मोक्ष : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को आत्मबोध कैसे हो इसलिए परमात्मा देशना देते हैं। हम जाना तो मोक्ष में चाहते हैं लेकिन हमारी क्रियाएं मोक्ष जाने जैसी नहीं है। जैसे जैसे हम हमारी आत्मा के आवरण हटते जाएंगे वैसे वैसे हमारी आत्मा मोक्ष के नजदीक जाएगी। इस संसार के पदार्थों को प्राप्त करने के लिए हम दिन रात दौड़ रहे हैं। संसार की प्रवृत्तियों को करते करते हम इस सांसारिक रस में डूबते जा रहे हैं और मोक्ष हमसे दूर होता जा रहा है। हमारी समस्त सांसारिक इच्छाओं का अन्त ही मोक्ष है। संसार में सुख निरन्तर सतत नहीं मिलता है, आज हमें किसी पदार्थ में सुख का अनुभव होता है लेकिन कल हमें वही सुख दुख लगने लगता है। लेकिन मोक्ष में आत्मा को सतत समान रुप से अव्याबाध सुख मिलता है। आत्मा का असली सुख तो आत्मा के अन्दर ही है लेकिन हम उस सुख को बाहर संसार में ढूंढ़ते हैं। हमें अपने अन्दर के सुख को अनुभव करके आत्म भावों में रमणता करके मोक्ष के नजदीक जाना है।

माहेश्वरी महिला संगठन, बेंगलोर
(माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत)
मानवीय सेवा हेतु प्रस्तुत करता है
आनन्द मेला उत्थान 2024
दिनाँक : 20 जुलाई 2024, शनिवार * समय : सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
स्थल : माहेश्वरी भवन, ओकलीपुरम, बेंगलोर
राजस्थानी प्रमुख खाने की सूखी सामग्री
मेले के आकर्षण पंचकेसरी की डायमंड ज्वेलरी एवं सोने की ज्वेलरी, सिल्वर के आभूषण, आकर्षक डिज़ाइनर ड्रेस एवं राखियाँ।
प्राकृतिक त्वचा को सुरक्षा देने वाले हाथों के बने मेकअप के सामान, साबुन, फेश वाश इत्यादि।
घर सजावट का सामान बनारसी सिल्क साड़ी, दुप्पटे ।
घरेलु उत्पाद व खाद्य सामग्री आइस्क्रीम, चॉकलेट, शरबत, अचार, मगोड़ी, पापड़ व अनेकों वस्तुएँ, मनोरंजन के लिए गेम, चटपटी अनेकों प्रकार की चाट, खाने-पीने के लिए अनेकों व्यंजन, घर की उपयोगी चीजें।
इसके साथ आपको मिलेगा एक ही छत के नीचे एक ही दिन में घरेलू उत्पाद बनाने वाली महिलाओं के बने सामानों को लेने का सुनहरा अवसर
निवेदक : माहेश्वरी महिला संगठन, बेंगलोर
विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क करें
अध्यक्षा श्वेता बियाणी 94482 36972
सचिव सुनीता मुंदड़ा 99007 04344
निर्मला काँकाणी 93795 83025
Sponsor : PKB JEWELLERS

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com